Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 214
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-मंगलवार ,02 दिसम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

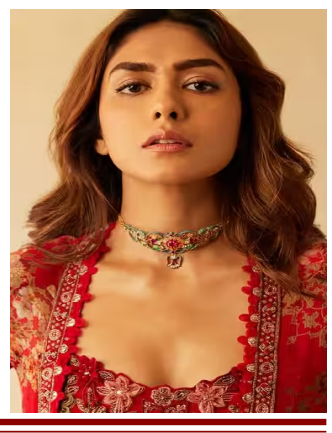

3 आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें पुलिस अधिकारी

4 देश में तर्क से ज्यादा मजबूत है अंधविश्वास

5 क्या श्रेयस अय्यर को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर? अभिनेत्री ने दिया ऐसा

**यूपी : सीएम योगी बोले-**

# साइबर अपराध और अवैध ड्रग्स कारोबार पर त्वरित कार्रवाई हो

## कैजुअल अप्रोच न रखें अधिकारी

**लखनऊ।** सीएम योगी ने आईपीएस प्रशिक्षुओं को संवेदनशील, संवाद-प्रधान और आधुनिक पुलिसिंग अपनाने की नसीहत दी, खासकर साइबर क्राइम और ड्रग्स नेटवर्क पर त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया। सीएम योगी ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। ...प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है मुख्यमंत्री ने कहा, जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षुओं

## प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है

को यह सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। मुख्यमंत्री ने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। मन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं। अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया मुख्यमंत्री ने 'थाना, सर्किल तथा पुलिस लाइन' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है। जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा।

# लोकसभा में एसआईआर समेत कई मुद्दों पर विपक्ष का भारी हंगामा

**सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित**

**नई दिल्ली :** लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण तथा अन्य मुद्दों पर आज भारी हंगामा किया जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेनन्नेटी ने 2 बजे दो बार के स्थगन के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए सदन के बीचों-बीच आ गए और नारे लगाते हुए शोरशराबा करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने हंगामा के बीच सदन की कार्यवाही चलाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा बढ़ता गया और सदस्यों ने शांत होने के उनके आग्रह को अनसुना कर दिया। पीठासीन अधिकारी ने हंगामें के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को श्मणिपुर माल और सेवा का (दूसरा संशोधन) विधेयक 2025 पेश करने के लिए कहा। सीतारमण ने बताया कि इस विधेयक से मणिपुर में सेवा कर आसान हो जाएगा और माल की आवाजाही बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विधि है 2017 के विधेयक का स्थान लेगा। इस विधेयक के पारित होने से मणिपुर के करदाताओं को फायदा होगा और अनावश्यक कर के भार से वहां के लोगों को मुक्त किया जा सकेगा।संक्षिप्त चर्चा के बाद विधयक पारित कर दिया गया। विधायक पारित होने के बाद पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों को हंगामा नहीं करने की सलाह दी लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई और उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। लोक सभा में सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें (प्रथम बैच) दर्शाने वाला विवरण पेश किया।

## सार संक्षेप

### दो बसों की भीषण टक्कर, चार स्कूली बच्चों सहित 10 घायल

**चंडीगढ़।** हरियाणा के रोहतक जिले के लाखन माजरा के पास सोमवार को दो बसों की टक्कर में चार स्कूली बच्चों समेत कुल 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में एक स्कूल बस में सवार बच्चे घायल हो गए जबकि दूसरा वाहन भी स्कूल बस ही थी, लेकिन उसमें बच्चे नहीं थे। दूसरी बस में एक समारोह से लौट रहे कुछ लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि 15 बच्चों को ले जा रही बस दुर्घटना के बाद पलट गई। लाखन माजरा पुलिस थाने के एसएचओ समरजीत सिंह ने बताया, चार बच्चे, एक चालक और एक सहायक घायल हो गए जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि दूसरी बस में सवार दो पुरुष, एक महिला और एक बच्चा घायल हुआ है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह ने रोहतक रेंज के पुलिस महानिरीक्षक को तुरंत घायल बच्चों से मिलने और उनका उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

### ड्रामेबाजी की डिलीवरी फिर शुरू!-

### खरगे का मोदी पर जोरदार हमला

**नईदिल्ली :** राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि उन्होंने ने संसद भवन परिसर में शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले मुद्दों की बात करने की बजाय ड्रामेबाजी कर फिर संसद की मयार्दा को तोड़ने करने का काम किया है। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर श्री मोदी के संसद भवन परिसर में दिए बयान पर कहा कि उन्होंने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने की बजाय फिर से ड्रामेबाजी की डिलीवरी की है। असलियत यह है कि संसदीय मयार्दा और संसदीय प्रणाली को पिछले 11 साल से सरकार ने लगातार और कैसे तारतार किया है उसकी फेहरिस्त लंबी है। उन्होंने लिखा, पिछले मानसून सत्र में ही कम से कम 12 विधेयक जल्दबाजी में पारित कर दिए गए, कुछ 15 मिनट से भी कम समय में और कुछ बिना किसी चर्चा के। पूरे देश ने पहले भी देखा है किस तरह आपने किसान विरोधी काले कानून, जीएसटी, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जैसे विधेयक संसद में आनन-फानन में ध्वस्त किये। इसी संसद में जब मणिपुर का मुद्दा उठा, तो आप तब तक चुप रहे, जब तक विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। उन्होंने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाया और कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) लगातार जान दे रहे हैं।

**सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी**

# हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते, 10 दिसंबर को अगली सुनवाई

**नई दिल्ली :** दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और सभी संबंधित एजेंसियों को कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अब सिर्फ योजना बना लेने से काम नहीं चलेगा, जमीन पर असर दिखना चाहिए। उखकसूर्यकांत ने साफ कहा कि हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर वायु प्रदूषण संकट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा- मेरे मित्र का कहना है कि मामले की सुनवाई केवल सूचीबद्ध होने से ही इसमें (वायु गुणवत्ता सूचकांक) सुधार हुआ है... यह जरूरी है कि हम इसे तीन-चार महीने बाद सूचीबद्ध करने के बजाय नियमित रूप से सुनें। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं भी सार्वजनिक हों, उन योजनाओं पर चर्चा और अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है। अब इस मामले पर 10 दिसंबर को सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ? एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि केंद्र ने अल्पकालिक (शॉर्ट टर्म) योजनाओं का शपथपत्र दाखिल किया है और सभी राज्यों व एजेंसियों के साथ बैठकें की गई हैं। अदालत ने पूछा कि इन योजनाओं का वास्तव में कोई असर हुआ भी है या नहीं? सीजेआई ने कहा- 'आपने जो एक्शन प्लान बनाया था, उससे कितनी सकारात्मक प्रगति हुई? हमें यह जानना जरूरी है। पहले हमें ये भी पता नहीं कि कौन-से कदम उठाए गए।' पराली जलाने की घटनाओं पर भी चर्चा इस दौरान एएसजी ने स्वीकार किया कि राज्यों का लक्ष्य 'शून्य पराली जलाना' था, लेकिन उसे हासिल नहीं किया जा सका। इस पर सीजेआई ने कहा, 'पराली जलाना अकेला कारण नहीं है। कोविड के समय भी पराली जलाई जा रही थी, लेकिन तब आसमान बिल्कुल नीला और साफ था।' सीजेआई ने यह भी कहा कि पराली के मुद्दे को राजनीतिक या अहं का विषय न बनाया जाए- 'किसान अगर पराली जला रहा है तो इसकी एक आर्थिक वजह है। वह एक संसाधन भी है और एक वस्तु भी।' प्रदूषण के लिए कौन-कौन जिम्मेदार? एएसजी भाटी ने आईआईटी की 2016 और 2023 रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा, इसमें सबसे बड़ा योगदान वाहनों का है। उसके बाद धूल और औद्योगिक इलाकों का प्रदूषण और पराली जलाना सिर्फ एक सीमित समय की समस्या है। अदालत ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह में रिपोर्ट दी जाए जिसमें पराली के अलावा अन्य कारण- जैसे वाहन, निर्माण, धूल - पर अब तक कितनी कार्रवाई हुई और उसका क्या असर पड़ा, इसकी विस्तृत जानकारी हो।

# नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : शाह

**नगालैंड।** नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।

# जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं: प्रियंका

**केरल।** केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना नाटक है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी

ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि उन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।

**अखिलेश यादव ईसी पर आरोप**

# भाजपा का सपना पूरा कर रहा चुनाव आयोग

**नई दिल्ली :** समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सपने को पूरा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जल्दबाजी में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का दवाब बनाया जा रहा है जिससे कई कर्मचारियों की जान चली गयी है। अखिलेश यादव ने संसद परिसर में पत्रकारों से सोमवार को कहा कि एसआईआर के जरिये भाजपा विपक्षी दलों के वोटरों का नाम मतदाता सूची से कटवा रही है। उन्होंने कहा कि जानबूझकर एसआईआर की पूरी प्रक्रिया शादियों के मौसम में की जा रही

है। इस दौरान लोग इधर-इधर एक-दूसरी जगह जाते हैं इसी बहाने उनके वोट कट जाएं। उन्होंने कहा कि यह भी देखने को मिला है कि एसआईआर में लगे कई कर्मचारियों की जान गयी है। बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) के ऊपर फॉर्म बांटने और भरने का इतना दवाब है कि वे अपनी जान दे रहे हैं। एक बीएलओ के परिवार का आरोप है कि उन पर वोट काटने का दबाव बनाया जा रहा था। ये बीएलओ गलियों में भटक रहे हैं। दिन-रात काम कर रहे हैं। ये जल्दबाजी क्यों। उत्तर प्रदेश में अभी तो कोई चुनाव नहीं है। अभी समय है तो आप आराम से ये काम करते। चुनाव आयोग इस लोकतंत्र में भाजपा का सपना पूरा करना चाहता है ताकि विपक्ष पार्टियों के वोट कट जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए एसआईआर करवा रही है। देश में बेरोजगारी पर चर्चा न हो इसलिए इस तरह का काम कराया जा रहा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि सभी को यह पता है कि कौन ड्रामा करता है। एसआईआर में जिन बीएलओ की जान चली गयी क्या वह ड्रामा है। भाजपा मतदाताओं को वोट डालने से रोकने का ड्रामा भी कर चुकी है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि एसआईआर का काम ईमानदारी से हो और कोई भी मतदाता नहीं छूटे।

# बिहार विधानसभा सत्र : एनडीए नेताओं ने दिया जनता को भरोसा-

**विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे**

**पटना।** 18वीं बिहार विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है। इसी बीच, सत्तापक्ष के नेताओं ने बिहार की जनता को भरोसा दिया है कि तेजी के साथ विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि नई सरकार के गठन और पहले विधानसभा सत्र के लिए सभी को मेरी शुभकामनाएं हैं। हमें जनता ने बहुमत दिया है। इससे दोगुनी ताकत से हम विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे। जनता के बीच रहकर सेवा भाव से काम करेंगे। इस दौरान सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले उन्होंने अपील की कि विपक्ष के साथियों को पहले दिन सहयोग का वातावरण बनाना चाहिए। वहीं, गायघाट से जदयू विधायक कोमल सिंह ने कहा, विरोध करना विपक्ष का काम है और वे कोई भी मुद्दा उठाएंगे। लेकिन पूरा बिहार जानता है कि महिलाओं को मजबूत बनाने का काम एनडीए सरकार ने किया है। आज महिलाएं बिना किसी डर के सड़कों पर आजादी से घूमती हैं। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देन है। महिलाओं का भरोसा जीतना एनडीए सरकार का काम है। इसलिए बिहार की महिलाएं और युवा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ थे और आगे भी रहेंगे। झंझारपुर से भाजपा विधायक नीतीश मिश्रा ने कहा कि सभी विधायकों का सदन में पहला दिन है। सभी को शुभकामनाएं और बधाई है।

# जैविक हथियार की चुनौती से निपटने के लिए खाका तैयार करने की जरूरत: एस जयशंकर

**नई दिल्ली :** इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है।

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा। हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। उन्होंने कहा, इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का मदद का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके।

मंत्र भारत

# पूर्वांचल

2

लखनऊ-मंगलवार ,02 दिसम्बर 2025

## स्पीड ट्रायल के दौरान इस खण्ड पर न तो स्वयं जायें, न ही अपने पशुओं को रेलपथ पर जाने दें

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के भटनी-औंड़िहार खण्ड पर पुल संख्या-84 एवं 91 पर कट एवं कनेक्शन कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल 02 दिसम्बर, 2025 को इस खण्ड का निरीक्षण करेंगे तथा इस खण्ड के पनियारा हाल्ट-दुल्लहपुर स्टेशनों के मध्य स्पीड ट्रायल किया जायेगा। रेल प्रशासन का आमजन से अनुरोध है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस खण्ड पर न तो स्वयं जायें, न ही अपने पशुओं को रेलपथ पर जाने दें।

## पूर्वोत्तर रेलवे पर मल्टीट्रैकिंग का कार्य तीव्र गति से चल रहा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के अन्तर्गत मल्टी ट्रैकिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में छपरा ग्रामीण-बाराबंकी मुख्य रेल मार्ग पर तीसरी लाइन निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे पर अभी तक छपरा ग्रामीण-छपरा एवं कुसम्ही-डोमिनगढ़ रेल खण्डों में तीसरी लाइन कमीशन हो चुकी है। गोण्डा-बुढ़वल ( 61.72 किमी.) तीसरी लाइन निर्माण के अन्तर्गत गोण्डा कचहरी-घाघरा घाट ( 45.42 किमी.) तीसरी लाइन कमीशन हो चुकी है। इसके अगले चरण में घाघरा घाट-बुढ़वल तक तीसरी लाइन निर्माण, जिसमें घाघरा नदी पर महत्वपूर्ण पुल का निर्माण सम्मिलित है, पूर्ण कर लिया गया है। इस नव निर्मित तीसरी लाइन का रेल संरक्षा आयुक्त उत्तर पूर्व सर्किल 05 दिसम्बर, 2025 को निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात यह तीसरी लाइन कमीशन हो जायेगी। इससे लाइन क्षमता में वृद्धि होने से गाड़ियों के समय पालन में सुधार होगा तथा जनआकांक्षाओं के अनुरूप अधिक गाड़ियों का संचलन किया जा सकेगा। गोण्डा-बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण परियोजना को पूरा करने में कुल लागत 1117 करोड़ रुपए आयेगी। घाघरा घाट-चौकाघाट स्टेशनों के मध्य घाघरा नदी पर बना यह तीसरा महत्वपूर्ण पुल है। पहले पुल का कार्य वर्ष 1898 में घाघरा घाट-चौकाघाट मीटर गेज लाइन के निर्माण के साथ ही पूर्ण हुआ। इस पुल का नाम भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड एल्गिन के नाम पर एल्गिन ब्रिज पड़ा। इस पुल को 1981 में गोण्डा-बाराबंकी खण्ड के आमान परिवर्तन के दौरान बड़ी लाइन मानक के अनुरूप बनाया गया। दूसरे पुल का निर्माण घाघरा घाट-चौकाघाट खण्ड के दोहरीकरण के दौरान वर्ष 2012-13 में हुआ और इसकी ओपनिंग 14 अप्रैल, 2013 को हुई। तीसरा पुल कमीशनिंग के लिए तैयार है। इस पुल की लम्बाई 1037 मीटर है, जिसमें 17 स्पैन है। इस पुल का फाउंडेशन डबल लाइन के अनुरूप किया गया है, जिससे यहाँ चौथी लाइन निर्माण के समय चौथे पुल के लिए फाउंडेशन की आवश्यकता नही होगी, जिससे समय, संसाधन एवं धन की बचत होगी।

## *यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है*

**गोरखपुर,:** रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 30 नवम्बर, 2025 को गाड़ी सं0 12565 में ट्रेन मैनेजर द्वारा घर से नाराज होकर जा रही 12 वर्ष की लड़की को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 30 नवम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 9 पर घर से नाराज होकर आयी 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 29 नवम्बर, 2025 को गाड़ी सं0 15079 में एक यात्री द्वारा 12 वर्ष के एक लड़के को लावारिस हालत में पाकर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को सौंपा गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 29 नवम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 14 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे, पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 29 नवम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी हल्द्वानी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 14 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, हल्द्वानी को सुपुर्द किया गया। 28 नवम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15010 में यात्री का छूटा 01 बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। 29 नवम्बर, 2025 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

## ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउन्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री के रिक्त पदों हेतु समय सारिणी जारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउन्टेण्ट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के रिक्त पदों पर चयन हेतु समय सारिणी जारी कर दी गयी है। उन्होने बताया है कि 01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर तक ग्राम पंचायतों द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी करायी जायेगी। दिनांक 08 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि निर्धारित है। 16 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक जिला पंचायत राज अधिकारी, विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जायेगा। दिनांक 22 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जायेगा एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जायेगा। दिनांक 01 जनवरी से 07 जनवरी तक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण संस्तुति की जायेगी। दिनांक 08 जनवरी से 15 जनवरी तक ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत करने की कार्यवाही की जायेगी।

## जनपद के 153 परीक्षा केन्द्रों की अनन्तिम सूची जारी, आपत्तियाँ 4 दिसम्बर तक ऑनलाइन प्रस्तुत करें

प्रतापगढ़। जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा ने बताया है कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. प्रयागराज द्वारा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं हेतु आनलाइन प्रक्रिया के अन्तर्गत बोर्ड द्वारा जनपद के 153 परीक्षा केन्द्रों (विद्यालय छात्र आवंटन सहित) का निर्धारित करते हुये अनन्तिम सूची जारी कर दी गई है। उन्होने जनपद के सभी विधिमान्य विद्यालयों के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों को सूचित किया है।

# इंडियन रेलवे ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप चैंपियन प्रतीक रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को OSD (स्पोर्ट्स) बनाया

गोरखपुरः इंडियन रेलवे ने तीन जानी-मानी महिला क्रिकेटरों – प्रतीक रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर – को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन के जरिए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (स्पोर्ट्स) के ग्रुप इ ऑफिसर-ग्रेड पोस्ट पर प्रमोट किया है। यह भारत के 2025 कऊ महिला वर्ल्ड कप जीतने में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए किया गया है। तीनों खिलाड़ी 7th CPC के अनुसार पे मैट्रिक्स के लेवल-8 के तहत ग्रुप इ गैजेटेड ऑफिसर की सैलरी और फायदे पाने की हकदार होंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (RSPB) की यह पहल न केवल तीनों महिला क्रिकेटरों को फाइनेंशियल सिक्योरिटी देगी, बल्कि उन्हें एडमिनिस्ट्रेटिव जिम्मेदारियां भी सौंपेगी। नवंबर की शुरूआत में, तीनों एथलीटों को रेल भवन में केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने सम्मानित किया था। प्रतीका रावल, जो नॉर्दर्न रेलवे में सीनियर क्लर्क के तौर पर काम कर रही हैं, को अब डरऊ (स्पोर्ट्स) के ग्रुप इ गजेटेड पद पर प्रमोट किया गया है। दिल्ली की एक ओपनिंग बैटर, उन्होंने भारत के वर्ल्ड कप जीतने वाले कैंपेन में अहम योगदान दिया। रेणुका सिंह ठाकुर, जो नॉर्दर्न रेलवे में जूनियर क्लर्क के तौर पर काम कर रही हैं, को अब डरऊ (स्पोर्ट्स) के ग्रुप इ गजेटेड पद पर प्रमोट किया गया है। दाएं हाथ की मीडियम-फास्ट बॉलर, वह अहम मैचों में अहम स्पेल के साथ लगातार मैच-विनर रही हैं। स्नेह राणा, जो नॉर्दर्न रेलवे में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क (CCTC) के तौर पर काम कर रही हैं, को अब डरऊ (स्पोर्ट्स) के ग्रुप इ गजेटेड पद पर प्रमोट किया गया है। उत्तराखंड की एक ऑल-राउंडर, उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से अहम परफॉर्मेंस दी है। इंडियन रेलवे की स्पोर्ट्स टैलेंट को सपोर्ट करने और बढ़ावा देने की एक लंबी परंपरा रही है, और इसके खिलाड़ी रेगुलर तौर पर वर्ल्ड स्टेज पर इंडिया को रिप्रेजेंट करते हैं।

# नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने बिजली बिल राहत योजना का सब स्टेशन कुण्डा में किया शुभारम्भ

**बिजली बिल राहत योजना ऐतिहासिक व जनता के लिये अत्यन्त राहतकारी-ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा**
**ऊर्जा मंत्री ने जनपदवासियों से की अपील, बिजली बिल राहत योजना का अधिक से अधिक उठाये लाभ**
**प्रथम चरण में बकायेदारों के लिए 100 प्रतिशत ब्याज माफी व 25 प्रतिशत मूलधन में छूट**

प्रतापगढ़.। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने ऊर्जा क्षेत्र में उपभोक्ताओं को व्यापक राहत देने वाली सरकारी योजना बिजली बिल राहत योजना 2025-26 का 33/11केवी विद्युत उपकेन्द्र कुंडा में शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह योजना ऊर्जा उपभोक्ताओं को दीर्घकालिक राहत प्रदान करने तथा बकाया बिलों के निस्तारण को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। प्रदेश सरकार ने सदैव आम जनता के हितों को प्राथमिकता में रखते हुए विकास एवं ऊर्जा क्षेत्र में अनेक जनकल्याणकारी नीतियों को लागू किया है। प्रदेश के ऊर्जा उपभोक्ताओं को सीधी राहत देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होने कहा कि यह योजना 01 दिसम्बर 2025 से 28 फरवरी तक तीन चरणों में लागू रहेगी, प्रथम चरण 01 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, द्वितीय चरण 01 जनवरी से 31 जनवरी व तृतीय चरण 01 फरवरी से 28 फरवरी तक रहेगी। इस योजना के उद्देश्य नेवर पेड और लॉन्ग अनपेड बिजली उपभोक्ताओं को बकाया बिलों में राहत देना और बिजली चोरी के सभी मामलों में राजस्व निर्धारण में छूट प्रदान कर प्रकरणों को समाप्त करना है। ऊर्जा मंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विशेष रूप से धन्यवाद और श्रेय देते हुए कहा कि उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का यही संवेदनशील दृष्टिकोण इस योजना की प्रेरणा रहा है। प्रधानमंत्री के ह्यसबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वासह्ल के संकल्प और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बिजली उपभोक्ताओं को लगातार राहत देने की नीति के कारण ही प्रदेश में छह वर्षों से बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं हुई और अब यह ऐतिहासिक राहत योजना लागू होकर उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ को बड़े पैमाने पर कम करेगी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों का मार्गदर्शन इस योजना की बुनियाद है, जो प्रदेश के लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी। मंत्री ने सभी बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस अवसर को हाथ से न जाने दें और पंजीकरण कर योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, बिजली बिल राहत योजना 2025-26 उपभोक्ताओं को पुराने बोझ से मुक्त करने वाली ऐतिहासिक पहल है और यह उनके जीवन में वास्तविक आर्थिक राहत लाएगी। इस अवसर पर पूर्वान्चल एमडी शम्भु कुमार ने कहा कि पूर्वान्चल में कुल 21 जनपद पड़ते है जिसमें 58 लाख ऐसे उपभोक्ता पाये गये जिनको सीधे बिजली बिल राहत योजना का लाभ मिल सकता है। उन्होने विद्युत विभाग को अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और लगन के साथ कार्य करें, सभी पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ शत प्रतिशत दिया जाये। प्रथम चरण में कैम्प लगाकर अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिया जायेगा। उन्होने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को प्रेरित करें जिससे योजना का लाभ अधिक से अधिक लोग उठा सके। इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता प्रयागराज अशोक सिंह, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत छैल बिहारी, अधिशासी अभियन्ता कुण्डा राजेश कुमार मिश्र, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अन्य पार्टी पदाधिकारीगण व सम्भ्रान्त लोग लोग उपस्थित रहे।

# उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मैच का दृश्य

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में चल रहे 69वें अखिल भारतीय रेलवे (पुरूष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2025 के छठवे दिन 01 दिसम्बर, 2025 को सेमीफाइनल मैच उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बीच खेले गये, जिसमें उत्तर ने एकतरफा मुकाबले में अपने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण पश्चिम रेलवे को पहले सेट में 25-21, दूसरे सेट में 25-23 तथा तीसरे सेट में 25-19 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल का दूसरा मैच देर सायं तक पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के बीच खेला जा रहा था। राष्ट्रीय स्तर की इस वालीबाल प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में वालीबाल प्रेमियों एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस चैम्पियनशिप का फाइनल मैच 02 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 03.00 बजे उत्तर रेलवे एवं दूसरे सेमीफाइनल के विजेता टीमों के साथ खेला जायेगा तथा महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर विजेता एवं उपजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित करेंगे।

## प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना का लाभ पा किसान हुआ खुश '

घुइसरनाथ धाम /प्रतापगढ : सांगीपुर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत मृतक के परिवार को मिलने वाले लाभ मुरैनी गांव निवासी हरिकेश गुप्ता को सोमवार को मैनेजर गौरव ओझा ने दो लाख का चेक दिया' हरिकेश की पत्नी रूपा गुप्ता का 17 जून 2025 को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी' बैंक में मौजूद दर्जनों धारकों को गौरव ओझा ने संबोधित करते हुए कहा कि समस्त खाता धारक इस योजना से जिद जाय जिससे भविष्य में दुर्घटना होने पर यह योजना उन्हें मिल सके'इस मौके पर असिस्टेंट मैनेजर अरविंद कुमार,फील्ड अधिकारी विनय सिंह, कैसियर आर सी यादव, मीरा विष्ट, राजकुमार यादव, हिमांशु गोस्वामी, आदि मौजूद रहे।

## द्वारचार में डी जे,गाना को लेकर मारपीट, पुलिस ने भेजा जेल '

घुइसरनाथ धाम /प्रतापगढ* सांगीपुर थाना क्षेत्र के सुकुलपुर गांव में रविवार को मुरैनी गांव से बारात आई थी ' रात लगभग साढ़े आठ बजे द्वारचार के समय डी जे गाना पर बाराती डांस कर रहे थे ' इसी बीच अपने मित्र की बारात में आए रौनक सिंह पुत्र कमलेश सिंह निवासी रानीगंज तथा सुधांशु पुत्र अजय प्रताप ने डी जे पर मनपसंद गाना चलाने की बात कही, जिससे दोनों में विवाद हो गया और एक दूसरे को मारने पीटने लगे ' यह देख दर्जन भर बाराती आपस में मारपीट करने लगे जिससे घरातियों ने पुलिस को सूचना दिया ' पुलिस के पहुंचने पर बाकी भाग गए तथा रौनक सिंह, और सुधांशु को पुलिस पकड़ कर शांति भंग में चलान कर दिया '

## *राजा भइया के मार्गदर्शन में गुल्लू मिश्रा के यहाँ होने वाली श्रीमद् भागवत कथा का सभी तैयारियाँ पूर्ण*

कुंडा प्रतापगढ़। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया के

मार्गदर्शन में शुकुल पुर देलेरगंज बेंती कुंडा में समाजसेवी गुल्लू मिश्रा के यहाँ होने वाली अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास डॉ श्याम सुंदर पाराशर जी महाराज की कथा के लिए सभी तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं।कथा आयोजक गुल्लू मिश्रा ने बताया कि तीन दिसंबर से शुरू होने वाली कथा के लिए सभी तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि दो दिसंबर को सुबह ग्यारह बजे भव्य कलश यात्रा कथा स्थल से निकलेगी, जो बाबा हवदेश्वरनाथ धाम तक जाएगी। यह एक बड़ी कथा होगी, जिसमें हजारों लोग कथा श्रवण करेंगे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कलश यात्रा और कथा के श्रवण करने के लिए अपील किया है।कथा को लेकर क्षेत्र के लोगों में बहुत ही खुशी का माहौल है। पूरा क्षेत्र भगवा रंग में रंग उठा है। कथा स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पूर्व सांसद वर्तमान एमएलसी कुंवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी लगातार कथा आयोजक के संपर्क में बने हुए हैं।जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के कार्यकताओं द्वारा निःशुल्क वाहन सेवा की भी व्यवस्था की गई है। कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं और उनकी हर संभव मदद करेंगे

## बैंक ने मृतक आश्रित को सौंपा बीमा के दो लाख का चेक

लालगंज, प्रतापगढ़। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा सांगीपुर के शाखा प्रबन्धक ने सोमवार को मृतक आश्रित को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के तहत दो लाख रुपए का चेक सौंपा। विकासखण्ड सांगीपुर क्षेत्र के मुरैनी गांव निवासिनी रूपा गुप्ता सांगीपुर एसबीआई शाखा में खाताधारक थी। बीती सत्रह जून को एक दुर्घटना में रूपा की मौत हो गयी। रूपा का बैंक की ओर से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के तहत बीमा किया गया था। बैंक शाखा प्रबन्धक गौरव ओझा ने बताया कि खाताधारक की मौत की जानकारी होने के बाद उसके पति हरिकेश गुप्ता को बीमा धनराशि के दो लाख रुपए का चेक सौंपा गया है। इस मौके पर बैंककर्मी आरसी यादव, विनय सिंह, अरविन्द कुमार, राजकुमार यादव आदि मौजूद रहे।

## डीजे पर गाना बजाने को लेकर हुई मारपीट, पहुंची पुलिस

लालगंज, प्रतापगढ़। डीजे पर गाना बजाने के विवाद में युवकों में मारपीट हो गयी। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों का शांतिभंग में चालान किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के शुकुलपुर गांव में बीती रविवार को क्षेत्र के मुरैनी गांव से बारात आयी थी। यहां द्वारपूजा के दौरान डीजे पर मनपसन्द गाना बजाने को लेकर बारात आये कुछ युवकों में विवाद उत्पन्न हो गया। अचानक मारपीट करने लगे। सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस को देखते ही मारपीट कर रहे युवक भाग निकले लेकिन मौके से दो युवकों को पकड़कर पुलिस थाने ले गयी। एसओ राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में बारात आये दो युवकों रौनक व सुधांशु का शांतिभंग में कार्रवाई की गयी है, तहरीर मिलने पर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी।

## किशोरी के अपहरण में आधा दर्जन पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण व धमकी को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की पीड़ित मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती उन्तीस नवंबर की रात करीब नौ बजे उसकी चौदह वर्षीया पुत्री घर से शौच के लिए निकली थी। आरोप है कि इसी दौरान अमेठी जनपद के शकरावा गौरीगंज निवासी आरोपी मंसूर अली पुत्र मकबूल अली बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि जानकारी होने पर पीड़ित मां आरोपी के घर पहुंचकर पूछताछ की तो आरोपी के पिता मकबूल, उसकी पत्नी कम्मू तथा पुत्रगण संजय व राजू व पुत्री गुड़िया ने गालीगलौज करते हुए धमकी दी तथा भगा दिया।

## रांची वनडे के बाद रोहित और गंभीर के 'सीरियस टॉक' ने बढ़ाई उत्सुकता, फैंस कयासों में उलझे

रांची : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब दो और वनडे और पांच टी20 मैच खेले जाने हैं। पहले मैच के बाद बढ़ते सवाल यह हैं कि क्या रोहित और गंभीर की वह बातचीत सिर्फ रणनीति थी, या इसके पीछे कोई और कहानी छिपी है ? समय इसका जवाब जरूर देगा। भारत ने रांची में खेले गए पहले वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर सीरीज में मजबूत शुरूआत की। मैच के बाद मैदान से ज्यादा चर्चा सोशल मीडिया पर उन तस्वीरों की रही, जिसमें रोहित शर्मा और टीम के हेड कोच गौतम गंभीर एक गंभीर और एनिमेटेड बातचीत में नजर आए। वीडियो के सामने आते ही फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि आखिर इस बातचीत का विषय क्या था। कोहली और रोहित का बल्ले से जवाब इस मैच ने दो बड़ी कहानी दिखाई, एक मैदान पर और एक मैदान के बाहर। लंबे समय से आलोचकों और चयन बहसों का सामना कर रहे विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अपने प्रदर्शन से सवालों को चुप करा दिया।

### मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की समस्याये, किया समाधान

# आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें पुलिस अधिकारी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में जनता दर्शन कार्यक्रम में नागरिकों की शिकायतों का समाधान किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना। मुख्यमंत्री ने नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने उपस्थित बच्चों से भी गर्मजोशी से बातचीत की, उनकी चिंताओं का समाधान किया और उन्हें सामुदायिक विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।उन्होंने सरकार और जिला अधिकारियों को संभल के चरणबद्ध विकास के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि जिले का विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पीड़ितों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान पर विशेष जोर दिया।पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता पूर्वक कार्रवाई पर अधिकारी विशेष ध्यान दें।जनता दर्शनश में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हर एक से मिलकर उनकी समस्याएं जानीं और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। श्जनता दर्शनश में जमीनी विवाद, राजस्व व पुलिस से संबंधित भी कई मामले आए।इस पर सीएम ने निर्देश दिया कि पुलिस कार्रवाई निष्पक्षता व पारदर्शिता से की जाए।पुलिस कमिश्नर, एडीजी, एसएसपी व एसपी जनता की समस्याओं की निगरानी रखें और प्रमुखता से उसके निस्तारण पर ध्यान दें।दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर उन्होंने दोनों फरियादियों को मदद का आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार हर पीड़ित की मदद के लिए खड़ी है। चिकित्सा के लिए नियमित रूप से पीड़ितों को आर्थिक मदद की जा रही हैमआप भी एस्टिमेट बनवाकर उपलब्ध कराएं, सरकार मदद करेगी। योगी आदित्यनाथ ने लगातार तीसरे दिन जन सुनवाई की है। इससे पहले, उन्होंने अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार और रविवार को जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत कुल 400 लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए।

## विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया

**लखनऊ।** विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के मार्ग दर्शन एवं एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत कैडेट निकिता सिंह, अनुष्का पटेल, वैष्णवी श्रीवास्तव, शुभी सिंह ने एचआईवी एड्स के कारणों पर चर्चा करते हुए बताया कि संक्रमित सुई के प्रयोग से, असुरक्षित यौन संबंध से, गर्भवती माता से होने वाले शिशु को तथा संक्रमित रक्त के चढ़ाने से कोई भी इस बीमारी से संक्रमित हो सकता है। इस रोग से ग्रसित रोगी की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है जिस कारण से वह शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ हो जाता है। हमेशा जॉचा हुआ रक्त ही प्रयोग करना चाहिए, सुरक्षित यौन सम्बन्ध को अपनाना चाहिए, सदैव नई सुई व सिरिंज का इस्तेमाल ही करना चाहिए। कैडेटस ने बताया कि एडस संक्रमित व्यक्ति को छूने, साथ खाना खाने, देखभाल करने आदि से नहीं फैलता। प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कहा कि व्यक्ति का स्वास्थ्य उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है, इसलिए स्वास्थ्य के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए, तभी हम समाज के प्रति भी अपने दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम हो सकेंगे। जागरूकता अभियानों में भाग लेकर लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने में युवा कैडेट्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। कार्यक्रम संयोजक मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी के अनुसार एडस वह स्थिति है जब संक्रमण इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर हो जाती है और छोटे से छोटा संक्रमण में जीवन के लिए खतरनाक हो जाता है यदि समय से इलाज ना हो तो यह वाइरस धीरे-धीरे शरीर की रोग प्रतीकारक क्षमता को घटाता है, इसलिए आवश्यकता है कि स्वयं सुरक्षित रहें अपने व्यवहार में संयम और सावधानी रखें। युवाओं पर ही देश की दशा व दिशा निर्भर करती है इसलिए इन्हें स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना आवश्यक है। कैडेटस ने इस बात का संकल्प भी लिया कि एड्स एक वैश्विक चुनौती है जिससे हम सभी को मिलकर लड़ना है , समय पर जानकारी सावधानी और उपचार से इसे रोका और नियंत्रित करना हमारी जिम्मेदारी है।

## दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर छापा, एनआईए ने पिता से पूछताछ की

**लखनऊ।** दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर एनआईए ने छापा मारा। सोमवार सुबह एटीएस को साथ लेकर एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की टीम लखनऊ पहुंचीं। लखनऊ पुलिस ने डॉ. शाहीन के मोहल्ले में पहरा डाल दिया। अंदर काफी देर तक एनआईए ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की। डॉ. शाहीन का घर लखनऊ में लालबाग के खंदारी बाजार में है। यहां उसके पिता सईद अंसारी और बड़े भाई शोएब रहते हैं। इससे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस और एटीएस ने 11 नवंबर को छापा मारा। इसके बाद से शाहीन के पिता ने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया। सोमवार को भी पूछताछ के बाद टीम के निकलते ही भाई शोएब ने दरवाजा बंद कर लिया। डॉ. शाहीन के घर जांच के दौरान बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया गया। उधर लोगों का आना-जाना लगभग बंद हो गया।

# सपरिवार राम मंदिर पहुंचे अवधेश प्रसाद, गर्भगृह में किया पूजन

**लखनऊ।** 25 नवंबर के दिन हुए राम मंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया था कि उन्हें इस कार्यक्रम में इसलिए आमंत्रित नहीं किया गया क्योंकि वह दलित समाज से आते हैं। राम मंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद सपा सांसद अवधेश प्रसाद अपने परिवार के साथ राम मंदिर गए और रामलला के दर्शन और पूजन किया। गर्भगृह में विधि विधान से पूरा अर्चना की। जब सपा सांसद मंदिर से बाहर आ गए तो उन्होंने भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए।मीडिया से मुखातिब सपा सांसद ने मंदिर दर्शन के बाद कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में उन्हें इसलिए नहीं बुलाया गया था क्योंकि वह दलित हैं। कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति को भी इसलिए आमंत्रित नहीं किया गया था क्योंकि वह भी वंचित समाज से आती हैं। प्रभु राम के राज मेंभेदभाव नहीं था, भाजपा भेदभाव की राजनीति कर रही है। उन्हें कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले तक निमंत्रण का इंतजार था। 24 नवंबर तक हम इंतजार करते रहे। अगर हमें निमंत्रण मिलता तो हम नंगे पैर रामलला के चरणों में पहुंचते लेकिन हमें नहीं बुलाया गया क्योंकि हम दलित बिरादरी से आते हैं। उन्होंने अयोध्या जिलाधिकारी से इस मामले को लेकर बात की थी, मगर उन्हें कोई साफ जवाब नहीं मिला। सपा सांसद ने राम मंदिर की तारीफ करते हुए कहा कि मंदिर बहुत सुंदर बना है। प्रभु श्रीराम की असीम कृपा है कि हमें अयोध्या में जन्म मिला। मैं चाहता हूं कि धर्म ध्वजा सदा शान के साथ लहराती रहे। प्रभु राम पूरे देश को सुख और समृद्धि दें, आपसी भाईचारा बनाए रखें। उन्हें रामलला के दर्शन करने के बाद मन की शांति मिली है।

# घर-घर पहुंचकर बढ़ाया मतदाता जागरूकता का संदेश

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के अंतर्गत कुंडी खटकाओ विशेष अभियान को पूरे जोर-शोर के साथ आगे बढ़ाया। अभियान का उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को वोटर लिस्ट से जोड़ना है। राजधानी के कई इलाकों में सुबह से भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करते नजर आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने स्वयं अभियान में हिस्सा लिया और कार्यकताओं के साथ लखनऊ की कॉलोनियों में पहुंचे। उन्होंने लोगों से कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर पात्र नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में जुड़ा हो। उन्होंने जनता से यह भी आग्रह किया कि परिवार के प्रत्येक पात्र सदस्य का नाम सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ें। घर में मौजूद किसी भी व्यक्ति का नाम न छूटने दें। मतदाता पुनरीक्षण टीम को पूरा सहयोग दें। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा का यह अभियान महज राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहभागिता का बड़ा जन-आंदोलन है। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कैसरबाग कोतवाली के पास की कॉलोनियों में जाकर अभियान की गति बढ़ाई। उन्होंने घर-घर दस्तक देकर निवासियों से बातचीत की और बताया कि नाम जुड़वाने की अंतिम तारीख नजदीक है, इसलिए आवश्यक दस्तावेज समय रहते तैयार रखें। बृजेश पाठक ने कहा कि कई लोग पता बदलने, नौकरी में व्यस्तता या जानकारी के अभाव में अपना नाम जुड़वाने से चूक जाते हैं। टीम के आने पर फॉर्म 6, 7 और 8 के विकल्पों को ध्यान से समझें और जरूरत के अनुसार भरें। नए मतदाताओं, खासकर युवाओं, को सूची में जोड़ना अभियान की मुख्य प्राथमिकता है। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग वार्डों में अभियान की जिम्मेदारी संभाली। महानगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संपर्क बढ़ाते हुए लोगों को मतदाता हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में जानकारी दी। द्विवेदी ने बताया कि इस अभियान में प्रत्येक बूथ को लक्ष्य सौंपा गया है और कार्यकताओं को सुनिश्चित करना है कि किसी भी घर में मतदाता सूची से जुड़ी कोई चूक न रह जाए।

## स्ट्रीट डॉग्स के समर्थन में उतरे लोग,सीजेआई को 10 हजार से अधिक लोगों ने लिखा पत्र

**लखनऊ।** लखनऊ में डॉग लवर्स का पत्र लिखने का सिलसिला जारी है। कुत्ता प्रेमियों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर स्ट्रीट डॉग पुनर्वास आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। एनिमल लवर खुशबू ने बताया कि हम लोग स्ट्रीट डॉग्स को बचाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 10 हजार से अधिक लोग पत्र लिख चुके हैं। इन्होंने बताया कि 7 नवंबर को जो फैसला आया हम लोग उसकी पूरी तरह विरोध करते हैं। खुशबू ने कहा कि हम लोग डॉग्स को बचाने के लिए अलग-अलग तरह की लड़ाई लड़ रहे हैं। विरोध प्रदर्शन किया सड़कों पर उतरे और अब लेटर मुहिम चल रही है। लावारिस कुत्तों को हटाना उचित नहीं है और इसके लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। उन्होंने ।ठब रूल को बढ़ाने और जन जागरूकता अभियान चलाने की मांग की। डॉग लवर्स ने कहा कुत्तों को हटाने या स्थानांतरित करने का आदेश बिल्कुल भी प्रैक्टिकल नहीं है। देश में वर्तमान में इतनी बड़ी संख्या में स्ट्रीट डॉग्स को रखने के लिए न तो पर्याप्त शेल्टर हैं, और न ही कोई मजबूत व्यवस्था ऐसे में उनका सामूहिक विस्थापन अमल में लाना संभव नहीं है। इन्हें जबरन हटाना केवल जानवरों के लिए दुखद ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय को भी प्रभावित करेगा। खुशबू ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय से गली के कुत्तों को स्थाई आश्रय देने संबंधी आदेश को वापस लेने की मांग है। एबीसी नियम 2001, के अनुसार पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए धन और दक्षता बढ़ाई जाए। रेबीज टीकाकरण को 100: सुरक्षित करने के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाया जाए।

## बीएलओ की आत्महत्या की घटनाओं पर मायावती ने जताई चिंता, संसद में गंभीर चर्चा की उठाई मांग

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की ओर से आत्महत्या करने की घटनाओं पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताई है। उन्होंने मांग उठाई कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बीएलओ समेत प्रमुख मुद्दों पर सही से चर्चा होनी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, श्संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसके हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।उन्होंने लिखा, श्हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों। देश व जनहित के जरूरी मुद्दों पर, खासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों, आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनकी ओर से की जा रही खुदकुशी की दुखद घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके। साथ ही साथ, इन समस्याओं का उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके।उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यापक देश व जनहित साधने के लिए संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी तरह से संवेदनशील और गंभीर होने की जरूरत है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में इन दिनों एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, जिसे लेकर विरोधी दल सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। वहीं इस बीच कुछ बीएलओ की जान भी चली गई है। यूपी के मुरादाबाद स्थित भोजपुर क्षेत्र के बहेड़ी में बीएलओ ने आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिजनों को मौके से सुसाइड नोट मिला है। हालांकि अभी जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उसके कई कारण हैं।

# प्रभारी मंत्री ने मेयर के साथ देखी सफाई व्यवस्था, बोले-सुधार की जरूरत

**लखनऊ ।** राजधानी लखनऊ में सफाई व्यवस्था की पोल अधिकारियों के सामने खुल गई। प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने मेयर के साथ सोमवार को शहर की सफाई व्यवस्था देखी। इस दौरान उन्हें गलियों में गंदगी, नालियां चोक मिलीं तो भड़क उठे। उन्होंने साथ चल रही मेयर से कहा कि सुधार की जरूरत है। सफाई व्यवस्था के जिम्मेदार अधिकारी से लेकर सफाईकर्मियों तक का एक दिन का वेतन काट लिया जाए। प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने मेयर सुषमा खर्कवाल के साथ शहर के 4 वार्डों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर झाड़ू न लगने, नालियों की सफाई न होने और व्यापक गंदगी मिली। स्थिति देखकर मंत्री और महापौर दोनों ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण बिजली पासी फर्स्ट, बिजली पासी सेकंड, खारिकापुर फर्स्ट

और खारिकापुर सेकंड वार्डों में किया गया। खारिकापुर फर्स्ट में व्यवस्था बेहद खराब मिली। सड़कों पर झाड़ू नहीं की गई ती और नालियों की न तो नियमित सफाई हुई थी, न ही फावड़े से कीचड़ हटाया गया था। खारिकापुर सेकंड में नगर निगम और आवास विकास परिषद की खाली पड़ी जमीनों को लेकर भी चिंता जताई गई। मंत्री ने कहा कि यदि इन्हें तुरंत व्यवस्थित कर उपयोग में नहीं लाया गया तो यहां कूड़े के ढेर लगेंगे और अवैध कब्जे की नौबत आ सकती है। संबंधित विभागों को इन जमीनों का त्वरित और उपयोगी समाधान निकालने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता पुनर्गठन समिति को दोबारा सक्रिय करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि सफाई संचालन में जवाबदेही तय हो और बेहतर निगरानी के साथ काम हो सके। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सुधार दिखना चाहिए, केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। चारों क्षेत्रों में मौजूद झीलों और पार्कों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। महापौर को इन स्थलों के सौंदर्यीकरण और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए, ताकि सार्वजनिक स्थलों को दोबारा उपयोगी बनाया जा सके। सरोजनी नगर क्षेत्र में आवागमन की समस्या जोन-8 के सरोजिनी नगर क्षेत्र में कुछ इलाकों में आवागमन दुरुस्त न होने की बात भी सामने आई। मंत्री ने कहा कि जहां लोगों का आना-जाना मुश्किल है, वहां प्राथमिकता से सुधार कराया जाए। निरीक्षण के बाद मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि कई वार्डों में साफ-सफाई की हालत बेहद खराब मिली है। झाड़ू नहीं लगी थी, नालियां गंदी थीं और समग्र व्यवस्था में सुधार की बड़ी जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

# दो गुनी कीमत पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर बेच रहा कारपोरेशन

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की खरीद में हुए भारी वित्तीय अनियमित का गंभीर खुलासा किया है। परिषद को प्राप्त आधिकारिक इनवॉइस से यह सिद्ध हुआ है कि टेंडर पाने वाली कंपनी इन टैली स्मार्ट जो पूरे पक्षमांचल व मध्यांचल में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का काम कर रही है उसके द्वारा खरीदे जा रहे मीटरों की वास्तविक लागत मात्र 2,630 से 2,825 है। जिसके द्वारा एप्पलटोन व सानायीडर कंपनी से स्मार्ट प्रीपेड मीटर सिंगल फेस खरीदे जा रहे हैं गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन सभी उपभोक्ताओं के नए कनेक्शन पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य करके उनसे इसी आरडीएसएस में खरीदे जा रहे स्मार्ट प्रीपेडमीटर की कीमत बिना नियामक आयोग के अनुमोदन के रुपया 6016 की वसूली कर रहा है जो अपने आप में बड़ा वित्तीय गोलमाल है। जहां एक तरफ इन दोनों कंपनियों में से एप्पलटोन के सिंगल फेस इलेक्ट्रॉनिक मीटर के सेम्पल द्रीय जांच परीक्षण शाला सीपीआरआई में फेल भी हो चुका है। उपभोक्ता परिषद ने कहा जब टेंडर हुआ था उसे समय सिंगल फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दर इन टैली स्मार्ट को जो अवार्ड हुई थी वह लगभग 8415 थी उसमें बात कर ले आईटी वर्क का तो वह लगभग रुपया 1300 से अधिक नहीं होगा इससे अंदाजा लगाया जा सकता है की प्रदेश में टेंडर की दर कितना उच्च दर पर थी इसीलिए पूरे प्रदेश में परियोजना की कास्ट 18885 करोड़ जो केंद्र सरकार ने अनुमोदित की थी उसके विपरीत 27342 करोड़ में टेंडर अवार्ड किया गया। वास्तविक इनवॉइस जो इन टैली स्मार्ट द्वारा दो स्मार्ट प्रीपेड मीटर निमार्ता कंपनियां को इंटरनल आर्डर किए गए हैं उसमें में मिली कीमतों के अनुसार 2,630 रुपए एप्पल टोन इंजिनियर्स लिमिटेड सिंगल फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर, 2,825 रुपए सानायीडर का सिंगल फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर थी। इसके बावजूद सरकार,निगम द्वारा दिखाई गई कीमतें विद्युत नियामक आयोग को पावर कॉरपोरेशन द्वारा बताया गया 7,000, 9,000 प्रति मीटर की लागत आ रही है।उपभोक्ताओं से वसूली 6,016 प्रति मीटर (बिना आयोग अनुमति) की गई। अर्थात एक मीटर पर 100 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी, और उपभोक्ताओं से करोड़ों रुपये की अवैध वसूली हुई।

# ताजा खबर...

## बीएलओ ने किया सुसाइड, पत्नी बोली- चार बेटियाँ हैं, कैसे पालूंगी

**लखनऊ।** मुरादाबाद में हड़कंप मच गया जब एक सहायक अध्यापक की पत्नी ने शव का पोस्टमॉर्टम ही रुकवा दिया।रोते-बिलखते महिला ने प्रशासन के सामने 5 करोड़ रुपये मुआवजा और पति की जगह नौकरी की मांग रख दी। मामला इतना गंभीर हो गया कि पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मृतक सहायक अध्यापक का नाम सर्वेश सिंह था। वे मुरादाबाद के कंपोजिट विद्यालय जाहिदपुर भगतपुर टांडा में बतौर सहायक अध्यापक तैनात थे। वे बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर का काम भी कर रहे थे। उनकी पत्नी बबली देवी ने मीडिया के सामने खुलकर सारी रोते हुए बताया, मेरे पति एसआईआर फॉर्म भरने के दबाव में थे। डीएम, एसडीएम, सुपरवाइजर के मैसेज लगातार आते थे काम करो, टारगेट पूरा करो, तुम्हारा टारगेट बहुत नीचे जा रहा है। इसी टेंशन में उन्होंने आत्महत्या कर ली। बबली ने आगे कहा, वे मुझसे बार-बार कहते थे , अगर यह काम पूरा नहीं किया तो मेरे ऊपर कार्रवाई होगी, जेल भी हो सकती है। सर्वेश ने सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें उन्होंने अपनी मजबूरी लिखी है।सुसाइड नोट में सर्वेश सिंह ने लिखा, मेरी चार छोटी-छोटी बेटियाँ हैं। सास हैं। देवर-देवरानी बाहर रहते हैं। अभी किसी बच्ची की शादी भी नहीं हुई। मैं जा रहा हूँ तो ये सब कैसे जिएंगे? यह पढ़कर बबली का दिल टूट गया। वे बार-बार बेहोश हो रही थीं और चीख रही थीं -ल मेरे बच्चों का क्या होगा? ये इतनी छोटी हैं, कैसे पालूंगी?बबली ने पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर डेरा जमा लिया और शव का पोस्टमॉर्टम कराने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, जब तक मुझे 5 करोड़ रुपये मुआवजा और मेरे पति की जगह नौकरी नहीं मिल जाती, मैं पोस्टमॉर्टम नहीं होने दूंगी। हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा हंगामा होने के बावजूद मुरादाबाद के डीएम, एसडीएम या किसी बड़े अधिकारी ने परिवार से मिलने तक की जहमत नहीं उठाई।

## गोमतीनगर में दीवार से टिकाकर बैठाया मिला महिला का शव

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में अजीब ढंग से रखा हुआ महिला का शव मिला। शव को सड़क के किनारे नाली के ऊपर दीवार के सहारे रखा गया था। आने-जाने वाले लोगों को घंटों तक यही लगता रहा कि कोई महिला बैठी होगी। जब वह दोपहर तक अपनी जगह से हिली नहीं तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो पता चला कि वह किसी महिला की डेडबॉडी है। शरीर पर चोट के कई निशान हैं। पूरे शरीर पर घसीटने की वजह से मिट्टी लगी हुई थी। पैरों में भी पकड़ने के निशान बने थे। पुलिस के अनुसार, महिला की हत्या की गई होगी। उसके बाद शव को यहां ठिकाने लगाया गया है। गोमतीनगर थाना क्षेत्र के विशालखंड-2 में संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव रिटायर्ड आईएएस प्रीतम सिंह के बाहर रखा था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर ब्रजेश तिवारी ने कहा महिला की उम्र 45 साल के आसपास लग रही है। आसपास टीम में लगाकर पहचान कराई जा रही है। वहीं, मामले में एसीपी गोमतीनगर बृज नारायण ने कहा- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ही कुछ कह पाना संभव है। फिलहाल, इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है।

## युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत,किसान पथ के किनारे मिला शव

**लखनऊ।** सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत हो गई। युवक किसान पथ के किनारे पड़ा मिला। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह ने बताया कि किसान पथ के किनारे एक युवक का शव मिला है। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। मेन हाईवे पर पड़ा देख पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस टीम युवक की शिनाख्त में लगी है। प्रारंभिक जांच में हादसा लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कुछ साफ हो पाएगा।

## 2.31 करोड़ से सजेगा बुद्धेश्वर महादेव मंदिर, बनेगा आधुनिक तीर्थ स्थल

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर को आधुनिक स्वरूप देने के लिए सौंदर्यीकरण कार्य तेजी से जारी है। इस परियोजना के लिये 2.31 करोड़ से अधिक धनराशि स्वीकृत की गई है। वर्तमान में मंदिर परिसर में आगंतुक सुविधाओं के उन्नयन, आवाजाही में सुधार और ऐतिहासिक महत्त्व के संरक्षण से जुड़े अनेक कार्य प्रगति पर हैं। प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रमुख धार्मिक स्थलों को सुदृढ़ करना सरकार की प्राथमिकता है। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर लखनऊ के प्राचीन शिव मंदिरों में से एक है और प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में कई महत्वपूर्ण कार्य लगभग पूर्णता की ओर हैं, जिनमें नया ग्रेनाइट मार्ग, संरचनात्मक सुरक्षा के लिये रिटेनिंग वॉल तथा आधुनिक मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण शामिल है। इन सभी विकास कार्यों से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता, सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में नया ग्रेनाइट मार्ग लगभग तैयार हो चुका है। मंदिर सीमा की सुरक्षा तथा कटाव रोकने के लिए बनाई जा रही मजबूत रिटेनिंग वॉल कार्य को गति दी गई है। इसके अलावा, नया भव्य प्रवेश द्वार भी आकार ले रहा है, जिससे मंदिर का प्रवेश क्षेत्र और अधिक आकर्षक व व्यवस्थित हो जाएगा।

## बड़ा सवाल: अरबों रुपए खर्च के बाद पूर्वांचल और दक्षिणांचल के निजीकरण क्यों ?

**लखनऊ।** विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने कहा है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम में आरडीएसएस स्कीम और बिजनेस प्लान के तहत अरबो रुपए की योजनाएं स्वीकृत करने के बाद इन निगमों को निजी घरानों को मात्र 6500 करोड रुपए की रिजर्व प्राइस पर सौंपने का क्या औचित्य है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि जितनी धनराशि सुधार के लिए खर्च की जा रही है उससे कहीं कम धनराशि की रिजर्व प्राइस पर इन विद्युत वितरण निगमों को बेचा जा रहा है। संघर्ष समिति के आह्वान पर आज लगातार 369 वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन कर निजीकरण के विरोध में अपना आक्रोश व्यक्त किया। उपभोक्ताओं के लिए 01 दिसंबर से प्रारंभ बिजली बिल राहत योजना में आज पहले दिन प्रदेश भर में बिजली कर्मियों ने उपभोक्ताओं को इस योजना में रजिस्ट्रेशन कराने हेतु प्रेरित किया। बिजली कर्मी पूरे दिन काम में लगे रहे तथा निजीकरण के विरोध में कार्यालय समय के उपरांत समस्त जनपदों में प्रदर्शन किया गया।संघर्ष समिति ने कहा कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन निजी घरानों के साथ मिली भगत में प्रदेश के मुख्यमंत्री को अंधेरे में रखकर एक लाख करोड रुपए की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल बेचना चाहते हैं।

## संपादकीय

# अवसाद से मुक्ति

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनावग्रस्त हो जाते हैं। एक भय हावी हो जाता है, जिससे वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। कुछ छात्र तो अक्सर खूब पढ़कर जाने के बावजूद परीक्षा के दौरान तनाव के चलते सब कुछ भूल जाते हैं। दरअसल, हमारा शैक्षिक परिवेश हाल के दिनों में बेहद प्रतिस्पर्धी हो चला है। मासूम बच्चों के सामने गला-काट स्पर्धा होती है। विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़े हैं, जिससे स्पर्धा और कठिन हो गई है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश हो या फिर नौकरी के अवसर, वे प्रतियोगियों के मुकाबले बहुत कम होते हैं, जिसकी परिणति छात्रों में बढ़ते तनाव और कालांतर में उसके अवसाद में बदलने के रूप में होती है। यही वजह है कि स्कूल-कालेजों के परीक्षा परिणाम आने पर देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुर्खियां अखबारों में बनती हैं। सुखद है कि अब आईआईटी मद्रास के शोधकताओं ने ऐसे शारीरिक संकेतकों का पता लगाया है, जिससे पता चल सकेगा कि किन छात्रों में परीक्षा के दौरान चिंता बढ़ने का जोखिम अधिक है। इस खोज को शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन व प्रदर्शन सुधारने हेतु बड़े बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में यह शोध बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजना भी तैयार हो सकेगी। यह वैज्ञानिक सत्य है कि किसी भी व्यक्ति में मस्तिष्क व हृदय के बीच संचार-तंत्र टूटने से तनाव पैदा होता है। ऐसे में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा के तनाव को पहचानने के जो जैविक संकेत पहचाने हैं, वे आने वाले समय में परीक्षा तनाव प्रबंधन में मददगार साबित हो सकते हैं। कोशिश है कि अब एआई की मदद से छात्रों के तनाव जोखिम की पहचान की जा सके। दरअसल, नये शोध की मुख्य बातें दो शारीरिक संकेतों को जोड़ने में निहित हैं। फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री यानी एफएए, जो कि भावनात्मक नियमन का मस्तिष्क आधारित संकेतक है। दूसरा हार्ट रेट वैरिएबिलिटी, जो हृदय के अनुकूलन नियंत्रण को मापता है। ये संकेत चिंताग्रस्त छात्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। शोधार्थियों ने पाया कि जिन छात्रों में एफएए पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव से हृदय के संतुलन तंत्र की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। दरअसल, परीक्षा को लेकर जो अधिक फिक्र है, वो हृदय की प्रतिक्रिया को भी बाधित करती है। परिणामस्वरूप वे अधिक तनाव में आ जाते हैं। शोध में इन तथ्यों को भी समझने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र परीक्षा के तनाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करने में कैसे सफल हो जाते हैं। वहीं कुछ छात्र चिंताग्रस्त होकर परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। दरअसल, साल भर नियमित पढ़ाई न करने और परीक्षा सामने आने पर वे घबराहट में तनावग्रस्त हो जाते हैं। एनसीआरटी का एक अध्ययन बताता है कि देश में 81 फीसदी छात्र परीक्षा को लेकर तनाव में रहते हैं। उम्मीद है नया शोध का निष्कर्ष समस्या का कारगर समाधान करेगा।

# देश में तर्क से ज्यादा मजबूत है अंधविश्वास

> पावर पॉलिसी से, टैलेंट ट्रेनिंग से और फेम कड़ी मेहनत से मिल सकती है लेकिन पर्दे के पीछे कहीं,अभी भी एक छोटा नारियल तोड़ा जा रहा है, दरवाजे पर एक नींबू रखा जा रहा है और बस किसी भी स्थिति के लिए प्रार्थना फुसफुसाई जा रही है। चलिए राजनीति से शुरू करते हैं। गंभीर चेहरों, लंबे भाषणों और अजीब समय पर लिए गए फैसलों की दुनिया देखिए। यह कोई सीक्रेट नहीं है कि नरेंद्र मोदी, एक मजबूत और निर्णय लेने वाले नेता के तौर पर देखे जाने के बावजूद, आध्यात्मिक प्रक्रिया में गहराई से जुड़े हुए हैं। बड़े राजनीतिक मौकों से पहले केदारनाथ, काशी विश्वनाथ और दूसरी पवित्र जगहों पर उनके दौरे दूर-दूर तक जाने जाते हैं। जहां समर्थक आस्था देखते हैं, वहीं आलोचक रणनीति देखते हैं लेकिन किसी भी तरह से, देश ने देखा है कि उनके करियर के अहम दौर अक्सर भगवान को चुपचाप प्रणाम करने से शुरू होते हैं।

देवी एम. चेरियन

ऐसे देश में जहां लोग शनिवार को अपने नाखून नहीं काटते या तीन ज्योतिषियों और पड़ोस की आंटी से पूछे बिना प्रॉपर्टी नहीं खरीदते, यह मानना बिल्कुल नादानी होगी कि भारतीय नेता, क्रिकेटर और फिल्म स्टार सिर्फ लॉजिक से चलते हैं। पावर पॉलिसी से, टैलेंट ट्रेनिंग से और फेम कड़ी मेहनत से मिल सकती है लेकिन पर्दे के पीछे कहीं,अभी भी एक छोटा नारियल तोड़ा जा रहा है, दरवाजे पर एक नींबू रखा जा रहा है और बस किसी भी स्थिति के लिए प्रार्थना फुसफुसाई जा रही है। चलिए राजनीति से शुरू करते हैं। गंभीर चेहरों, लंबे भाषणों और अजीब समय पर लिए गए फैसलों की दुनिया देखिए। यह कोई सीक्रेट नहीं है कि नरेंद्र मोदी, एक मजबूत और निर्णय लेने वाले नेता के तौर पर देखे जाने के बावजूद, आध्यात्मिक प्रक्रिया में गहराई से जुड़े हुए हैं। बड़े राजनीतिक मौकों से पहले केदारनाथ, काशी विश्वनाथ और दूसरी पवित्र जगहों पर उनके दौरे दूर-दूर तक जाने जाते हैं। जहां समर्थक आस्था देखते हैं, वहीं आलोचक रणनीति देखते हैं लेकिन किसी भी तरह से, देश ने देखा है कि उनके करियर के अहम दौर अक्सर भगवान को चुपचाप प्रणाम करने से शुरू होते हैं। इसी तरह, भारत में लंबे समय से सुना जा रहा है कि अलग-अलग पार्टियों के नेता चुनाव से पहले चुपचाप ज्योतिषियों से सलाह लेते हैं। इंदिरा गांधी जैसी पुरानी नेता खुले तौर पर आध्यात्मिक सलाह लेती थीं और यह सब जानते हैं कि ज्योतिषियों ने कभी कांग्रेस की राजनीतिक प्लानिंग में भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि दिल्ली में ऑफिस को वास्तु शास्त्र के हिसाब से एक से ज्यादा बार रीडिजाइन किया गया है। दीवारें बदली गई हैं,

शीशे लगाए गए हैं, फव्वारे लगाए गए हैं। यह सब यह पक्का करने के लिए किया गया है कि राजनीतिक एनर्जी उत्तर-पूर्व की ओर बहे और मुसीबत में न पड़े। नेता हर इंटरव्यू में इससे इंकार करेंगे लेकिन फिर भी पार्लियामैंट कॉम्प्लैक्स में धीरे-धीरे और सावधानी से कदम रखते हुए जाएंगे जैसे कि फर्श खुद ही बुरी किस्मत के प्रति सैंसिटिव हो। अगर राजनीति ड्रामा है तो क्रिकेट भाव है। और अगर कोई ऐसा मैदान है जहां अंधविश्वास सच में स्टेडियम की लाइट से ज्यादा चमकता है तो वह क्रिकेट पिच है। सचिन तेंदुलकर अपना बायां पैड पहले पहनने के लिए मशहूर थे। भगवान या इत्तेफाक, किसी ने भी ऑर्डर बदलने की हिम्मत नहीं की। धोनी जो बाहर से बर्फ की तरह ठंडे हैं, मिलिट्री डिसिप्लिन के साथ रूटीन पर टिके रहने के लिए भी जाने जाते हैं। एक समय में उनके लंबे बाल सिर्फ एक स्टाइल नहीं थे। फैंस का मानना था कि यह टीम इंडिया के लिए किसी लक्की चार्म से कम नहीं है। फिर विराट कोहली हैं, जिन्हें बड़े टूर्नामैंट से पहले मंदिरों में जाते, पवित्र धागे बांधते और यह पक्का करते देखा गया है कि कुछ आध्यात्मिक आदतें उनकी जिंदगी का हिस्सा बनी रहें। और कौन भूल सकता है कि कैसे पूरा देश अचानक अच्छी वाइब्स में विश्वास करने लगा जब अनुष्का शर्मा को टैंशन वाले मैचों के दौरान स्टैंड्स में मैडिटेशन करते देखा गया। अगर इंडिया जीता तो लोग मजाक में कहते थे कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बॉलर तक पॉजिटिव योग एनर्जी पहुंच गई थी। सबसे निडर बॉलर और हिटर के दिमाग में भी अनदेखी लिस्ट होती है। वही मोजे, वही ग्लव्स, वही वार्म अप प्लेलिस्ट, पिच तक जाने का वही रास्ता तय होता है। रास्ता बदलो और अचानक विकेट गिर जाता है। साइंस भले ही हंसे लेकिन क्रिकेट फैंस इस पर आपसे लड़ेंगे। और अब हम बॉलीवुड पर आते हैं। एक ऐसी दुनिया जो डायरैक्टर नहीं बल्कि स्टार चलाते हैं। स्क्रीन पर भी और आसमान में भी। अजय देवगन लंबे समय से नंबर 9 से जुड़े रहे हैं, उन्होंने अपनी कई फिल्में इसी तारीख को रिलीज की हैं क्योंकि न्यूमरोलॉजी इसे पसंद करती है। एकता कपूर ने अपने शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी के टाइटल में एक्स्ट्रा अक्षर इसलिए जोड़े क्योंकि उनके न्यूमरोलॉजिस्ट ने सलाह दी थी कि ऐसा सफलता के लिए एक बूस्टर शॉट है। और उस फामूर्ले से कौन बहस कर सकता है जिसने सालों तक इंडियन टैलीविजन पर राज किया। शाहरुख खान अपनी गहरी आस्था के लिए जाने जाते हैं और अक्सर बड़ी रिलीज से पहले धार्मिक जगहों पर जाते हैं। सलमान खान, जिनके करियर ने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे भी प्रोटैक्टिव चार्म रखने के लिए जाने जाते हैं। डिसिप्लिन और इटैलिजैंस के सिंबल अमिताभ बच्चन के बारे में कहा जाता है कि वे रैगुलर एस्ट्रोलॉजर से सलाह लेते हैं और कुछ खास रत्नों में उनकी गहरी आस्था है। हाइटैक कैमरों और इंटरनैशनल क्रू वाले मॉडर्न सैट पर भी मुहूर्त शब्द आज भी मौजूद है। फिल्म के पहले शॉट को आशीर्वाद दिया जाता है, क्लैपबोर्ड को एक पवित्र चीज की तरह माना जाता है और एक प्रोड्यूसर नहीं, पुजारी प्रोजैक्ट शुरू करता है। इसके बिना, सबसे एडवांस्ड कैमरा भी पलक झपकाने से मना कर देता है।इस सब की कॉमेडी यह है कि अंधविश्वास अब लगभग फैशन बन गया है। फिल्मों के टाइटल नंबरों की वजह से बदलते हैं, घर दिशाओं की वजह से चुने जाते हैं, कारें कलर कॉम्बिनेशन की वजह से खरीदी जाती हैं और मोबाइल नंबर नैटवर्क के लिए नहीं बल्कि शुभ योग के लिए चुने जाते हैं। डिजाइनर सनग्लास और सिक्योरिटी गार्ड के पीछे, पावर और पैसे के पीछे, आज भी एक आम इंसान है जो इस अनप्रिडिक्टेबल दुनिया में तसल्ली ढूंढ रहा है। क्या अंधविश्वास बेवकूफी है? शायद। क्या यह सुकून देने वाला है? बिल्कुल। जब लाखों लोग आपके फैसलों पर निर्भर हों, जब कैमरे आपको कभी न छोड़ें, जब एक छोटी सी गलती कल की हैडलाइन बन जाए तो थोड़ी ज्यादा सुरक्षा की चाहत रखना इंसानी फितरत है, भले ही वह कलाई पर बंधे लाल धागे के रूप में हो। आखिर में, अंधविश्वास जादू के बारे में नहीं है। यह कंट्रोल के बारे में है। मन और दुनिया के बीच एक चुपचाप किया गया समझौता है कि तुम मेरी मदद करो और मैं तुम पर विश्वास करूंगा। और भारत जैसे देश में, जहां विश्वास तर्क से ज्यादा मजबूत है और उम्मीद डर से ज्यादा मजबूत है, शायद अंधविश्वास कोई कमजोरी ही नहीं है।

# शीतकालीन सत्र में बढ़ेगा सियासी तापमान

> जिन लोकतांत्रिक मूल्यों और मयार्दा की उम्मीद सरकार विपक्ष से कर रही है, असल में वही अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनने वाले हैं। क्योंकि विपक्ष ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि लोकतंत्र में मतदान के अधिकार को बचाने के लिए एसआईआर के खिलाफ बड़ी लड़ाई छेड़ी जाएगी और संसद में इस मुद्दे को पूरे दमखम के साथ उठाया जाएगा।वहीं लालकिले के पास आतंकी हमला, दिल्ली का प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में तैयारी की कमी, आर्थिक सुरक्षा और कमजोर पड़ती विदेश नीति जैसे अहम मुद्दों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा। लोकसभा में उपनेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई ने इस तरफ भी ध्यान दिलाया कि यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा, जिसमें केवल 15 कामकाजी दिन ही होंगे। श्री गोगोई ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने एक गंभीर बात कही है कि सरकार की तरफ ज्यादातर राजनीतिक चचार्एं आभासी होती हैं, जबकि जनता के बुनियादी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि सरकार चुनावों से आगे भी सोचेगी। भारत की जीडीपी वृद्धि से लेकर एसआईआर विषय तक, इन पर व्यापक चर्चा होनी चाहिएय वरना संसद सिर्फ एक संग्रहालय जैसी संरचना बनकर रह जाएगी।दरअसल पिछले सत्रों को देखें तो मनोज झा की बात ही सच भी दिखती है कि सरकार की दिलचस्पी संसद चलाने से अधिक समय बिताने की है। अगर सत्र चलेंगे तो विपक्षी सांसद सवाल पूछेंगे, जिनके जवाब ऑन रिकॉर्ड देना सरकार की मजबूरी हो जाएगी।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है, जो 19 दिसंबर तक चलेगा। सत्र शुरू होने से पहले रविवार को परंपरानुसार सर्वदलीय बैठक हुई, जिसके बाद सरकार की तरफ से दावा किया गया कि सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्ष के साथ तालमेल बिठाया जाएगा। वहीं विपक्ष से उम्मीद जताई गई कि वह अपने सवालों को अध्यक्ष के जरिए सदन में उठाए और लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए संसद की मयार्दा बनाए रखे। सत्र को अकारण बाधित न करे। जिन लोकतांत्रिक मूल्यों और मयार्दा की उम्मीद सरकार विपक्ष से कर रही है, असल में वही अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनने वाले हैं। क्योंकि विपक्ष ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि लोकतंत्र में मतदान के अधिकार को बचाने के लिए एसआईआर के खिलाफ बड़ी लड़ाई छेड़ी जाएगी और संसद में इस मुद्दे को पूरे दमखम के साथ उठाया जाएगा।वहीं लालकिले के पास आतंकी हमला, दिल्ली का प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में तैयारी की कमी, आर्थिक सुरक्षा और कमजोर पड़ती विदेश नीति जैसे अहम मुद्दों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा। लोकसभा में उपनेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई ने इस तरफ भी ध्यान दिलाया कि यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा, जिसमें केवल 15 कामकाजी दिन ही होंगे। श्री गोगोई ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने एक गंभीर बात कही है कि सरकार की तरफ ज्यादातर राजनीतिक चचार्एं आभासी होती हैं, जबकि जनता के बुनियादी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि सरकार चुनावों से आगे भी सोचेगी। भारत की जीडीपी वृद्धि से लेकर एसआईआर विषय तक, इन पर व्यापक चर्चा होनी चाहिएय वरना संसद सिर्फ एक संग्रहालय जैसी संरचना बनकर रह जाएगी।दरअसल पिछले सत्रों को देखें तो मनोज झा की बात ही सच भी दिखती है कि सरकार की दिलचस्पी संसद चलाने से अधिक समय बिताने की है। अगर सत्र चलेंगे तो विपक्षी सांसद सवाल पूछेंगे, जिनके जवाब ऑन रिकॉर्ड देना सरकार की मजबूरी हो जाएगी।इसलिए सत्र सरकार की तरफ से ही कई बार बाधित किया जाता है। पिछले मानसून सत्र में यही हुआ। एसआईआर पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी और विपक्ष इसकी मांग करता रह गया। नतीजा यह हुआ कि 120 घंटों की जगह केवल 35 घंटे काम हुआ। इस बार भी ऐसा ही होने की आशंका बलवती है। क्योंकि बिहार चुनाव में धांधली के आरोप अब भी बरकरार हैं और इसके बाद प.बंगाल, उत्तरप्रदेश समेत 12 राज्यों में जो एसआईआर चल रही है, उसमें बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौतें गंभीर मुद्दा बन चुका है। तृणमूल कांग्रेस की शुक्रवार को ही चुनाव आयोग के साथ दो घंटे बैठक हुई, जिसमें टीएमसी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के मुंह पर ही कह दिया कि चुनाव आयोग के हाथों में खून लगा है। हालांकि आश्चर्य की बात ये है कि ज्ञानेश गुप्ता ने इस बात से अनभिज्ञता जाहिर की कि कई बीएलओ एसआईआर के दबाव में अकाल मौत का शिकार हो चुके हैं।बिहार के बाद चुनाव आयोग एसआईआर को अन्य राज्यों में शुरू कर चुका है। भाजपा भी यह मान रही है कि वह बिहार के बाद प.बंगाल को फतह कर लेगी और बाकी राज्यों में भी उसी की जीत होगी। संसद सत्र की तारीखों का काफी पहले ऐलान इसी अति आत्मविश्वास को दिखाता है। आम तौर पर संसद सत्र की तारीखों की जानकारी हफ्ते-दस दिन पहले दी जाती है, लेकिन इस बार 8 नवंबर को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने बता दिया था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब से कब तक चलेगा। वह समय बिहार चुनावों का था। जिसमें जमीनी रिपोर्ट्स बता रहीं थी कि एनडीए के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। एसआईआर में लाखों वोटों का कटना, कानून व्यवस्था का मामला, बेरोजगारी, महंगाई इन सबके साथ 20 बरसों की नीतीश सरकार के लिए एंटी इन्कमबेंसी जैसे कारक एनडीए का नुकसान दिखा रहे थे। वहीं महागठबंधन में लोग नयी उम्मीद देख रहे थे। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री के लिए जनता की पहली पसंद लगातार बने रहे और राहुल गांधी की लोकप्रियता बिहार में नरेन्द्र मोदी से ज्यादा थी, यह कई सर्वे में जाहिर हुआ। लेकिन भाजपा के नेता पूरी तरह आश्वस्त थे कि कुछ भी हो, सरकार उन्हीं की बनेगी। बल्कि अमित शाह ने तो सौ से ऊपर सीटें लाने का दावा किया था। और ऐसा ही हुआ भी, एनडीए को प्रचंड जीत मिली, जबकि विपक्ष ने बुरी हार झेली।

# भारत विश्व के लिए आदर्श और प्रेरणादायी देश बनेगा

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डा. मोहन भागवत के बटन दबाने के साथ ध्वज का धीरे-धीरे ऊपर चढना और अंततरू मंदिर के शिखर पर विराजमान होकर लहराना भारत के बहुत बड़े वर्ग के लिए वेदनाओं से पूर्ण संघर्ष के युग के समापन और नये युग के सूत्रपात का साक्षात स्वरूप बन गया। सच है कि राजनीतिक और गैर-राजनीतिक विपक्ष ने कभी भी श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य तो छोड़िए, इसके विचार का समर्थन नहीं किया। प्रत्यक्ष और परोक्ष इसके मार्ग में जितनी अड़चनें डाली जा सकती थीं डाली गईं। जिन लोगों ने शास्त्रों में वर्णित अयोध्या को ही काल्पनिक साबित करने के लिए इतिहास के नाम पर पुस्तकें लिखवाईं, अभियान चलाया न्यायालय के निर्णय पर आज तक प्रश्न खड़ा करते रहे हैं, उनसे हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया या समर्थन करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ध्यान रखिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत के उद्बोधनों के भाव में बिल्कुल समानता थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वर भी ऐसा ही था? भारत की सही समझ और राष्ट्र के लक्ष्य की यथार्थ कल्पना के कारण स्वर में समानता बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगर 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की याद दिलाते हुए ध्वजारोहण के साथ सम्बन्ध किया तो भारत को समझने वालों के लिए यह बिल्कुल स्वाभाविक है। जिन्हें समझ नहीं या समझते हुए भी राजनीतिक रूप से विरोध करना है उनके लिए यह उपहास और विरोध का ही विषय होगा।

अवधेश कुमार

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ शास्त्रीय परंपरा के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण हो गया। विरोधियों की प्रतिक्रियाएं वैसी ही हैं जैसी 22 जनवरी 2024 के प्राण प्रतिष्ठा के समय थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डा. मोहन भागवत के बटन दबाने के साथ ध्वज का धीरे-धीरे ऊपर चढना और अंततरू मंदिर के शिखर पर विराजमान होकर लहराना भारत के बहुत बड़े वर्ग के लिए वेदनाओं से पूर्ण संघर्ष के युग के समापन और नये युग के सूत्रपात का साक्षात स्वरूप बन गया। सच है कि राजनीतिक और गैर-राजनीतिक विपक्ष ने कभी भी श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य तो छोड़िए, इसके विचार का समर्थन नहीं किया। प्रत्यक्ष और परोक्ष इसके मार्ग में जितनी अड़चनें डाली जा सकती थीं डाली गईं। जिन लोगों ने शास्त्रों में वर्णित अयोध्या को ही काल्पनिक साबित करने के लिए इतिहास के नाम पर पुस्तकें लिखवाईं, अभियान चलाया न्यायालय में इसके विरुद्ध मुकदमे लड़े और इलाहाबाद उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय के निर्णय पर आज तक प्रश्न खड़ा करते रहे हैं, उनसे हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया या समर्थन करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ध्यान रखिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा.मोहन भागवत के उद्बोधनों के भाव में बिल्कुल समानता थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वर भी ऐसा ही था? भारत की सही समझ और राष्ट्र के लक्ष्य की यथार्थ कल्पना के कारण स्वर में समानता बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगर 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की याद दिलाते हुए ध्वजारोहण के साथ सम्बन्ध किया तो भारत को समझने वालों के लिए यह बिल्कुल स्वाभाविक है। जिन्हें समझ नहीं या समझते हुए भी राजनीतिक रूप से विरोध करना है उनके लिए यह उपहास और विरोध का ही विषय होगा। बात अत्यंत सरल है। किसी भी समाज के अंदर यह भाव बिठा दिया जाए कि आपकी संपूर्ण सभ्यता जो धर्म से निर्धारित है वह कपोल कल्पनाओं, मिथकों और बहुत हद तक अंधविश्वासों से भरी है तो उसके अंदर एक समाज और राष्ट्र के रूप में बड़े लक्ष्य पाने की प्रेरणा का स्रोत पैदा होना कठिन हो जाएगा। श्रीराम मंदिर आंदोलन केवल एक सामान्य मंदिर के लिए नहीं था बल्कि उसका लक्ष्य सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय पुनर्जागरण तथा स्थायी प्रेरणा स्रोत खड़ा करने के लिए था ताकि भारत जागृत रहे और हम सब देश को शीर्ष पर ले जाने के लिए प्राणपण से संकल्पित हो। सनातन परंपरा में शिखर पर

लहराते ध्वज को मंदिर का रक्षक, ऊर्जा का वाहक और पूर्णता तथा ईश्वर की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है। ध्वजा से ही मंदिर को पूर्णता प्राप्त होती है। कौन सा निशान रामलला के धाम की पवित्रता और युगों तक कायम रहने वाली सनातन परंपरा का प्रतिनिधित्व करेगा इसके चयन के लिए अनेक ग्रंथों को खंगाला गया। रामचरितमानस, भारत की सभी भाषाओं के रामायण देखे गए। विश्वकर्मा वास्तु शास्त्र के अध्याय 42 में ध्वजाओं के लक्षणों का विस्तृत वर्णन है। महाभारत, ऋग्वेद, विष्णुधर्मोत्तर पुराण में ध्वज का वर्णन है। इसमें भगवान विष्णु के ध्वज का रंग पीला और सुनहरा बताया गया है जो इनके अवतार होंगे उनके ध्वज का रंग केसरिया और पीतांबरी होगा। सूर्यवंशी होने के कारण सूर्य का निशान अंकित है। सूर्य जीवंतता और ऊर्जा का भी प्रतीक होता है। रघुकुल का राजकीय निशान होने के कारण कोविदार वृक्ष को अंकित किया गया है। हरिवंश पुराण में उल्लेख है कि महर्षि कश्यप ने पारिजात के पौधे में मंदार के गुण मिलाकर इसे तैयार किया था। वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड के अनुसार चित्रकूट में वनवास के दौरान भगवान राम ने लक्ष्मण को ध्वजों से विभूषित अश्व और रथों से आती हुई सेना की सूचना दी और इसके बारे में पता लगाने को कहा। इसे देखकर लक्ष्मण ने कहा कि निश्चय ही दुष्ट दुर्बुद्धि भरत स्वयं सेना लेकर आया है। यह कोविदार युक्त विशाल ध्वज उसी के रथ पर फहरा रहा है। इसी प्रसंग से स्पष्ट हुआ कि कोविदार वृक्ष युक्त ध्वज अयोध्या की पहचान और प्राचीन धरोहर रही है। प्राण प्रतिष्ठा के समय ही राम मंदिर परिसर में कोविदार वृक्ष लगाए गए हैं जो इस समय लगभग 8 से 10 फुट के हो चुके हैं। इतनी सूक्ष्मता से एक-एक पहलू का ध्यान रखने की सोच और इसके पीछे के दर्शन को विरोधी समझ ही नहीं सकते। अगर प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि अयोध्या की भूमि आदर्श आचरण का स्वरूप है और राम आदर्श एवं अनुशासन तथा जीवन के सर्वोच्च चरित्र के प्रतीक जो हमें तभी प्रेरित करेंगे जब हम अपने भीतर के राम को जगाएं। मैकाले शिक्षा प्रणाली की गुलाम मानसिकता से मुक्ति के लिए 10 वर्षों का लक्ष्य देने के लिए निश्चय ही यह उपयुक्त जगह और समय था। अयोध्या व राम-सीता को काल्पनिक बनाने की सोच इसी गुलाम मानसिकता से निकली थी। भारत को अपनी विपुल आध्यात्मिक ऊर्जा, सभ्यता और संस्कृति की शक्ति से विश्व के लिए नेतृत्वकारी आदर्श महाशक्ति के रूप में खड़ा करना है तो प्रेरणा यहीं से मिलेगी। तो संघर्ष से लेकर मंदिर निर्माण, प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण तक के पूरे पुरुषार्थ को देखें तो समझ में आता है कि हर भारतवासी के लिए यह मंदिर और उसके ऊपर लहराता हुआ धर्म ध्वज अपनी संस्कृति की व्यापकता एवं संघर्ष की प्रभाव प्रखरता की सतत प्रेरणा देता रहेगा। हम इससे प्रेरणा लेते हुए सामूहिक रूप से भारत के लक्ष्य का ध्यान रखते हुए काम करेंगे तो यह देश विश्व के लिए आदर्श और प्रेरणादायी देश बनेगा। यही भारत का मुख्य ध्येय है।

## कोहली के शतक पर रोहित की दहाड़ और गंभीर की झप्पी वायरल; सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़

रांची : रांची वनडे सिर्फ एक मैच नहीं था, ये याद दिलाने वाला पल था कि दो दिग्गज अभी भी अपनी कहानी का आखिरी चैप्टर लिखने की जल्दी में नहीं हैं। रांची में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला वनडे सिर्फ विराट कोहली के शतक की वजह से नहीं, बल्कि रोहित शर्मा और गौतम गंभीर की दिल छू लेने वाली प्रतिक्रियाओं की वजह से भी सुर्खियों में है। एक तरफ रोहित कैमरे में खुशी से दहाड़ते नजर आए, तो दूसरी ओर गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में कोहली को गले लगाकर भावनाओं की बौछार कर दी। क्या रांची में दिखा दोस्ती का नया रूप? रांची वनडे में जैसे ही विराट कोहली ने अपना 52वां शतक पूरा किया, तो पूरा जेएससीए स्टेडियम खुशी से झूम उठा, लेकिन सोशल मीडिया पर जितनी चर्चा कोहली की पारी की हुई, उतनी ही वायरल हुआ रोहित शर्मा का रिएक्शन जो उतनी ही रॉ, इमोशनल और बिना फिल्टर के थी।

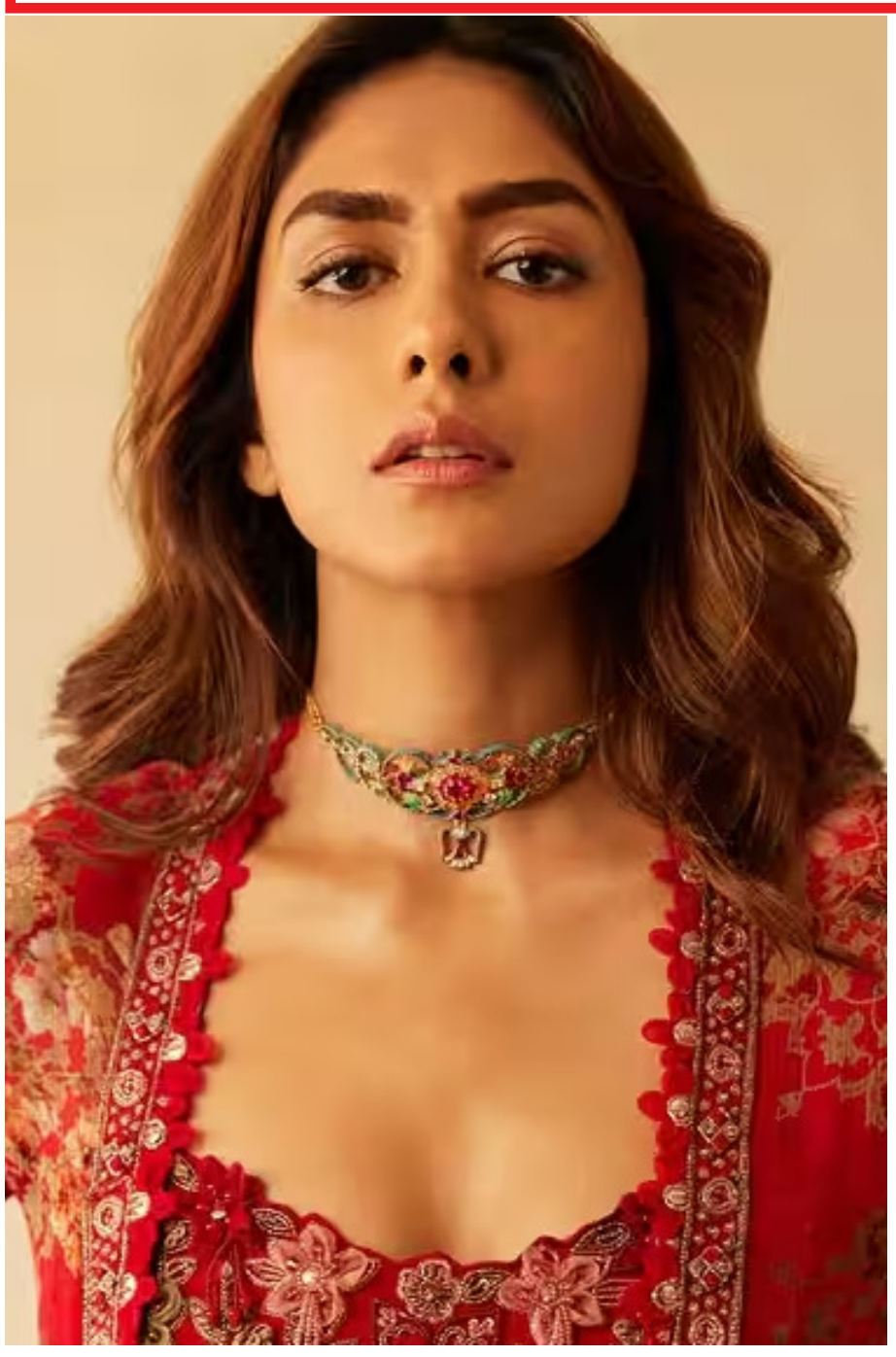

# क्या श्रेयस अय्यर को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर? अभिनेत्री ने दिया ऐसा रिएक्शन

मृणाल ठाकुर ने श्रेयस अय्यर और धनुष के साथ डेटिंग की अफवाहों पर हंसी उड़ाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया की स्टोरी पर शेयर किया है। इस वीडियो के साथ मृणाल ने डेटिंग को लेकर एक नोट भी लिखा है। मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पहले धनुष के साथ और अब क्रिकेटर श्रेयस अय्यर के साथ उनके अफेयर की अफवाहें उड़ रही हैं। कथित तौर पर मृणाल और श्रेयस कई महीनों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मृणाल का वीडियो मृणाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें मृणाल ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। इस वीडियो में उनकी मां उनके सिर की मालिश कर रही हैं और वो जोर-जोर से हंस रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'वो बातें करते हैं, हम हंसते हैं। अफवाहें मुफ्त का प्रचार हैं और मुझे मुफ्त चीजें बहुत पसंद हैं।' यानी मृणाल ने साफ बता दिया कि वो इन अफवाहों को गंभीरता से नहीं ले रही हैं और इसे फ्री पब्लिसिटी मानकर खुश हैं। मृणाल जल्द ही कई फिल्मों में नजर आएंगी। वह वरुण धवन के साथ डेविड धवन की कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है,' अदिवी शेष के साथ एक्शन फिल्म 'डकैत,' और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगी।

# सलमान खान ने बिग बॉस में आशीष चंचलानी को द ओजी कहकर पेश किया

यूट्यूब सेंसेशन आशीष चंचलानी अब पहले ऐसे डिजिटल स्टार बन गए हैं जिन्होंने अपनी यूट्यूब सीरीज एकाकी को देश के सबसे बड़े रियलिटी शो बिग बॉस पर प्रमोट किया है। बॉलीवुड आइकॉन और शो के होस्ट सलमान खान के साथ स्टेज शेयर करते हुए, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा चंचलानी, जिनके पास भारत के सबसे बड़े यूट्यूब फॉलोअर्स में से एक है, शो में अपनी नई लॉन्ग-फॉर्म स्टोरीटेलिंग प्रोजेक्ट एकाकी को पेश करने के लिए नजर आए। एकाकी एक हॉरर-कॉमेडी थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, डर और ूमर का मजेदार मिश्रण हैकृयह जॉनर आशीष चंचलानी की टाइमिंग और टेंशन बनाने की कला से बिल्कुल मेल खाता है। अपनी तेज कहानी कहने की शैली और कॉमिक इंस्टिंक्ट के लिए मशहूर आशीष चंचलानी अब अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट में उतर रहे हैं, जहाँ वे एकाकी में लेखक, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर चारों भूमिकाएँ निभा रहे हैं। एकाकी में आशीष चंचलानी की अगुवाई में उनकी ही क्रिएटिव टीम के कई परिचित चेहरे शामिल हैं। कुणाल छाब्हरिया को-प्रोड्यूसर हैं, आकाश दोडेजा पैरलल लीड हैं, जशन सिरवानी एग्जिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, और तनिष सिरवानी क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। गृशिम नवानी को-स्क्रीनप्ले राइटर हैं और रितेश साधवानी लाइन प्रोड्यूसर की भूमिका में हैं। एकाकी 27 नवंबर, 2025 को केवल एसीवी स्टूडियो के यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया।

# गोल्डन ज्वेलरी, बालों में गजरा और लाल साड़ी में राज निदिमोरु की दुल्हन बनी सामंथा, खुद शेयर की शादी की तस्वीरें

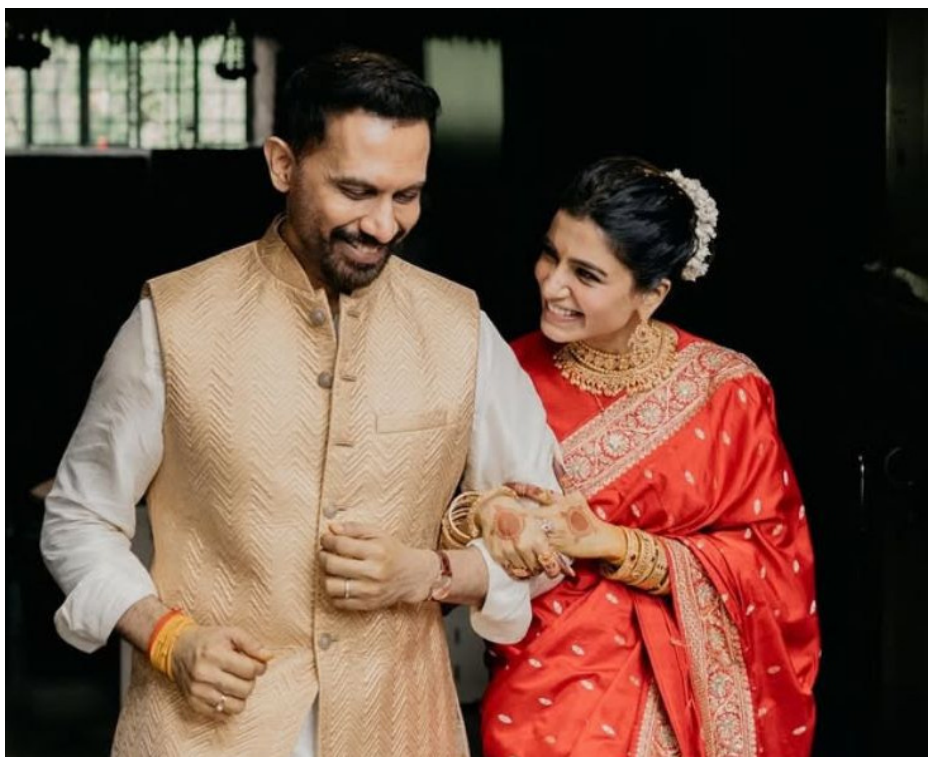

एक्टर नागा चैतन्य से तलाक के बाद एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी पर्सनल लाइफ में आगे बढ़ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने डायरेक्टर राज निदिमोरु संग डेटिंग के काफी समय बाद सात फेरे ले लिए हैं। शादी की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिन्हें देख हर कोई हैरान है और कपल को नई शुरूआत के लिए बधाइयां दे रहे हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुल 5 तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने सिर्फ अपनी शादी की डेट 1.12.2025 लिखी है। पहली तस्वीर में राज निदिमोरु एक्ट्रेस को भगवान के सामने रिंग पहना रहे हैं। दूसरी फोटो में दोनों शादी की रस्में करते दिख रहे हैं। तीसरी फोटो में दुल्हन बनी सामंथा अपने पति की बांह कसकर पकड़े दिख रही हैं। चौथी फोटो में कपल गले में वरमाला पहने ज्योति लेता दिख रहा है, जबकि पांचवी और आखिरी फोटो में कपल शादी के बाद एक साथ बेहद प्यारा लग रहा है। इस दौरान सामंथा रेड साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने बालों गजरा और गोल्डन ज्वेलरी के साथ कंप्लीट किया है। वहीं, उनके पति व्हाइट कुर्ता और क्रीम कलर की बास्केट पहने हैंडसम दिख रहे हैं। बता दें, समांथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू साल 2024 से रिलेशनशिप में थे, जिसके बाद आज सुबह 1 दिसंबर 2025 को कपल ने तमिलनाडू के कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के लिंग भैरवी मंदिर में शादी कर ली। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।।

# विपुल अमृतलाल शाह का नया म्यूजिक लेबल हुआ लॉन्च, पहला गाना शुभारंभ सिद्धिविनायक में रिलीज

विपुल अमृतलाल शाह अब अपना क्रिएटिव काम और बढ़ा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के साथ मिलकर एक नया म्यूजिक लेबल सनशाइन म्यूजिक लॉन्च किया है। असर सिनेमा और यादगार साउंडट्रैक्स बनाने के लिए जाने जाने वाले शाह ने अब नया सेगमेंट शुरू किया है, जिसका मकसद नए म्यूजिकल टैलेंट को तलाशना, उन्हें आगे बढ़ाना और प्रमोट करना है। लेबल की पहली पेशकश शुभारंभ आज मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में एक खास समारोह के दौरान लॉन्च की गई, जहाँ विपुल अमृतलाल शाह और शेफाली शाह मौजूद थे। यह शुरूआत सच में शुभ और दिल से जुड़ी हुई महसूस हुई। शुभारंभ के साथ, सनशाइन म्यूजिक यह दिखाना चाहता है कि आगे वह किस तरह का विविध और बेहतरीन क्वालिटी वाला कंटेंट पेश करने जा रहा है। प्रोजेक्ट को आशिन ए. शाह ने को-प्रोड्यूस किया है, जबकि म्यूजिक हेड सुरेश थॉमस लेबल की पहली बड़ी रिलीज की क्रिएटिव डायरेक्शन और पूरी लॉन्च प्रक्रिया संभाल रहे हैं। शाह की फिल्मों को हमेशा से ही उनके सोलफुल और मधुर गानों के लिए जाना जाता है। नमस्ते लंदन, लंदन ड्रीम्स, एक्शन रिप्ले और सिंह इज किंग जैसी म्यूजिकल कहानियाँ आज भी अपने म्यूजिक की वजह से सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में गिनी जाती हैं। विपुल अमृतलाल शाह हमेशा से ऐसी फिल्में बनाते आए हैं जो असर छोड़ती हैं और अलगहटअलग तरह की कहानियाँ चुनते हैं। यही वजह है कि शाह आज भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित और सफल प्रोड्यूसर्स में गिने जाते हैं।

# ताहा शाह बदुश्शा ने अपनी माँ के जन्मदिन पर दिल छू लेने वाली तस्वीर के साथ शेयर किया इमोशनल नोट

एक्टर ताहा शाह बदुश्शा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी माँ महनाज सिकंदर बदुश्शा के लिए एक बेहद खूबसूरत और भावनाओं से भरा जन्मदिन पोस्ट शेयर किया है, जिसने उनके फैंस का दिल जीत लिया है। ताहा ने अपनी

माँ के साथ एक गर्मजोशी भरी और प्यारी तस्वीर साझा की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के सोशल मीडिया पर आते ही यह उनके दर्शकों के दिलों को छू गई, खासकर उनके उन फैंस को, जो ताहा के इस नरम, स्नेहिल और परिवार-प्रेमी रूप को बेहद पसंद करते हैं। तस्वीर के साथ ताहा ने एक प्यारा वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें उनकी माँ जन्मदिन का केक काटते हुए दिखाई दे रही हैं। इस छोटे से क्लिप में एक बेहद सरल लेकिन अनमोल पारिवारिक पल को कैद किया गया है, जो दिखाता है कि ताहा अपनी माँ से कितने जुड़े हुए और कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं। इस वीडियो के जरिए ताहा ने अपनी माँ के प्रति अपना प्यार, आभार और सम्मान बेहद खूबसूरती से व्यक्त किया है। गौरतलब है कि ताहा हमेशा से अपनी माँ के बेहद करीब होने की बात खुलकर कहते आए हैं और गर्व से खुद को श्ममाज बॉयश बताते हैं। वे पहले भी यह बात बता चुके हैं कि उनकी माँ ने दोनों बेटों की परवरिश अकेले की है और उन्हें बेहतर जिंदगी देने के लिए काफी मेहनत और संघर्ष किया है। सच पूछिए तो ताहा द्वारा पोस्ट किया गया यह सिर्फ एक जन्मदिन पोस्ट नहीं है, बल्कि एक खुशी का अवसर है, जो उनके प्रति उनकी माँ की शक्ति, त्याग और निश्छल प्रेम को दशार्ता है।

# अभिनेत्री जान्हवी किल्लेकर ने निभाया बहन का फर्ज, दुल्हे सूरज चव्हाण को शादी में दिया ये गिफ्ट

बिग बॉस मराठी 5 के विजेता और अभिनेता सूरज चव्हाण की शादी इन दिनों चचाओं में बनी हुई है। समारोह के कई वीडियोज और तस्वीरें अब तक सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। बिग बॉस मराठी 5 के विजेता और अभिनेता सूरज चव्हाण की शादी 29 नवंबर को धूमधाम से पूरी हुई, जिसमें सितारों की मौजूदगी और प्रशंसकों की भारी भीड़ ने समारोह को और खास बना दिया। लगातार कई दिनों से चचाओं में बनी इस शादी के दौरान सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी अभिनेत्री जान्हवी किल्लेकर ने, जिन्होंने न केवल समारोह को संभालने में अहम भूमिका निभाई बल्कि अपने भाई सूरज को एक बेहद महंगा तोहफा देकर सभी का ध्यान खींच लिया।

सूरज चव्हाण ने संजना के साथ की शादी

सूरज चव्हाण ने अपनी फ्रेंड संजना के साथ सात फेरे लिए। शादी का कार्ड पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था, जिसमें कई टीवी और मराठी इंडस्ट्री के कलाकारों के शामिल होने की जानकारी थी। शादी के दिन मंडप में भारी भीड़ देखने को मिली और कई बार हालात बिगड़ते हुए भी नजर आए। इस अव्यवस्था के बीच जान्हवी किल्लेकर ने खुद माइक संभालकर भीड़ से अनुरोध किया और माहौल को शांत कराया। 'बिग बॉस मराठी 5' में दिखी थी बॉन्डिंग जान्हवी और सूरज की बॉन्डिंग बिग बॉस मराठी 5 के दौरान ही बनी थी, जहां दोनों ने एक-दूसरे को भाई-बहन का दर्जा दिया था। इस रिश्ते की झलक सूरज की शादी में साफ दिखी। हल्दी, साखरपुडा से लेकर बारात में नाचने तक जान्हवी हर रस्म में मौजूद रही। दूल्हा-दुल्हन के साथ कई तस्वीरें और वीडियो जान्हवी ने सोशल मीडिया पर भी साझा किए।

# अचानक बेघर हुईं अशनूर ने एविक्शन पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'बुरा लगा, लेकिन सब ठीक है'

अशनूर कौर ने हाल ही में बिग बॉस 19 से बेघर होने के बाद अपने फैंस के साथ बात की है। इंस्टाग्राम पर लाइव करते हुए उन्होंने अपने एविक्शन पर अफसोस जताया है।

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का ताजा वीकेंड का वार एक बड़ा मोड़ लेकर आया, जब टीवी एक्टर अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। इस एविक्शन ने न सिर्फ फैंस को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी। शो से बाहर आने के बाद अब पहली बार अशनूर ने अपने दिल की बात खुलकर रखी है। अशनूर ने इंस्टाग्राम पर किया लाइव एविक्शन के बाद रविवार को अशनूर ने अपने फैंस से इंस्टाग्राम लाइव के जरिए बात की। हफ्तों तक घर की दीवारों के भीतर रहने के बाद उनकी आवाज में राहत भी थी और थोड़ा दर्द भी। उन्होंने बताया कि शो से बाहर निकलने का फैसला उनके लिए भी उतना ही अचानक था जितना दर्शकों के लिए। फैंस के प्यार पर बोलीं अशनूर अशनूर ने कहा कि बाहर आते ही उन्हें फैंस का जो प्यार देखने को मिला, उसने उन्हें संभाल लिया। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि फिनाले से एक हफ्ते पहले बाहर होना दुख देता है, लेकिन वह इसे अपनी किस्मत मानकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि घर में रहते हुए वो फैंस को काफी मिस करती थीं, इसलिए सबसे पहले लाइव आकर उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह अब ठीक हैं।

## 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी? रांची की शतकीय पारी में दिखा विराट कोहली का बदला हुआ अंदाज

रांची : यह कहना अभी जल्दी होगा कि वे इसी ढर्रे पर आगे बढ़ेंगे या नहीं, लेकिन अगर यह बदलाव स्थायी है तो शायद इतिहास इस मैच को उस मैच के रूप में याद रखेगा, जहां विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का अंतिम रूप चुना। रांची के मैदान पर रविवार, 30 नवंबर को कुछ असाधारण हुआ। विराट कोहली, जिन्हें उनकी नियंत्रित बल्लेबाजी, रनिंग बिटवीन द विकेट्स और धैर्यपूर्ण बिल्ड-अप के लिए जाना जाता है, अचानक एक नए किरदार में नजर आए। उनकी पारी की शुरूआत ही दो दमदार छक्कों से हुई, कुछ ऐसा जो कोहली शायद ही कभी अपने शुरूआती ओवरों में करते हैं, लेकिन इसी बदलाव ने चर्चा को जन्म दिया कि क्या विराट अपने खेल को बदल रहे हैं? और क्या ये बदलाव 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है? पारी की शुरूआतः एंकर नहीं, अटैकर यशस्वी जायसवाल के जल्दी आउट होने के बाद आमतौर पर कोहली पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी पेसर्स को बैकफुट और फ्रन्टफुट दोनों पर चुनौती दी और पिच के व्यवहार को देखते हुए तुरंत अपने गियर बदल लिए।

# सिडनी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण रैकेट का भंडाफोड़, हजारों वीडियो बरामद; चार आरोपी गिरफ्तार

**सिडनी:** सिडनी पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े हजारों वीडियो ऑनलाइन साझा करने का आरोप है। पुलिस ने कई कई सबूत जमा किये। साथ ही इसे बेहद खतरनाक अपराध बताया है।

सिडनी में पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय बाल यौन शोषण रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन चारों पर बच्चों के यौन उत्पीड़न से जुड़े वीडियो ऑनलाइन फैलाने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय बाल शोषण घिरोह से जुड़ा था, जिसके वीडियो में खतरनाक रस्मों और शैतानी प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने इस कार्रवाई को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने ऑनलाइन एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर चल रही संदिग्ध गतिविधियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क की पहचान की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट जेन डोहर्टी ने बताया कि यह सामान्य अपराध नहीं था, बल्कि इसमें ऐसे वीडियो शामिल थे जिनमें बच्चों को शैतानी अनुष्ठानों से जुड़े प्रतीकों और रिवाजों का इस्तेमाल करते हुए प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सामग्री ह्रअत्यंत भयावहह्व है और बातचीत में भी ऐसे संकेत मिले जिससे पता चलता है कि आरोपी इसी तरह की क्रूर सामग्री साझा करते थे। कैसे पकड़े गए आरोपी? पिछले गुरुवार को सिडनी में कई स्थानों पर छापे मारे गए और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके ठिकानों से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए जिनमें हजारों वीडियो संग्रहित थे। यह सामग्री ऐसे बच्चों की थी जिनकी उम्र कुछ महीनों से लेकर 12 साल तक बताई गई है। पुलिस का कहना है कि यह सबूत दिखाते हैं कि आरोपी एक वैश्विक नेटवर्क का हिस्सा थे, जो ऑनलाइन बच्चों पर अत्याचार से जुड़े वीडियो साझा करता था। अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की कड़ी? पुलिस ने बताया कि यह नेटवर्क अलग-अलग देशों में फैले लोगों के बीच सामग्री साझा करता था। जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी शैतानी और ओकल्ट प्रतीकों के साथ वीडियो साझा करते थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में जो वीडियो मिले हैं, वे आरोपियों ने खुद नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने इन्हें साझा किया और इन पर चर्चाएं कीं। अधिकारियों ने कहा कि वे वैश्विक एजेंसियों के साथ मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पीड़ित बच्चे कौन थे, उन्हें कहां प्रताड़ित किया गया और अपराध के पीछे कौन लोग हैं। आरोपियों के नाम और आरोप गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय लैंडन जर्मनोटा-मिल्स को इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है। अन्य तीन आरोपी स्टुअर्ट वुड्स रिचेस (39), मार्क एंड्रयू सेनडेक्की (42) और बेनजामिन रेमंड ड्राइस्डेल (46) हैं। चारों पर ऑनलाइन बाल यौन शोषण सामग्री फैलाने के आरोप लगे हैं। जर्मनोटा-मिल्स पर बेस्टियालिटी सामग्री फैलाने और अपने पास रखने का अतिरिक्त आरोप भी लगाया गया है। अदालत ने चारों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है और वे अब जनवरी के अंत में अगली सुनवाई के लिए पेश होंगे। पीड़ितों की पहचान में जुटी पुलिस पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से जांच तेजी से जारी है। अधिकारी जेन डोहर्टी का कहना है कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि यह अपराध संगठित तरीके से चलाया जा रहा था और सामग्री को एन्क्रिप्टेड माध्यमों के जरिए साझा किया जाता था, ताकि पहचान छुपी रहे। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ते ही कई और खुलासे हो सकते हैं।

# पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत गंभीर, दिल-फेफड़ों तक पहुंचा संक्रमण का असर; हालत में सुधार नहीं

ढाका : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की सेहत गंभीर बनी हुई है। 80 वर्षीय जिया को 23 नवंबर को छाती के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था और उन्हें बाद में सीसीयू में शिफ्ट किया गया। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने वाले है। इससे पहले वहां की राजनीति में गजब का गर्माहट देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां राजनीतिक पार्टियां चुनावी रण में अपनी-अपनी दावेदारी प्रबल करने में लगी है। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की सेहत अभी भी गंभीर बनी हुईहै। उनके पार्टी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि 80 वर्षीय जिया की स्वास्थ्य स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। बता दें कि खालिदा जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें छाती में संक्रमण हुआ था, जिससे उनके हृदय और फेफड़ों पर असर पड़ा। चार दिन बाद उनकी कई स्वास्थ्य समस्याओं के बिगड़ने के कारण उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में शिफ्ट किया गया। खालिदा जिया के सेहत का ताजा रिपोर्ट बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा है कि उनकी स्थिति और बिगड़ी नहीं है, लेकिन बहुत सुधार भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अभी तक जिया को विदेश में इलाज के लिए भेजने की सलाह नहीं मिली है। वहीं बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार को बताया कि डॉक्टरों ने कहा था कि उन्हें विदेश में इलाज की जरूरत हो सकती है, लेकिन वर्तमान में उनकी शारीरिक स्थिति विदेश यात्रा के लिए अनुकूल नहीं है। कई स्वास्थ्य समस्याओं के जुझ रही पूर्व बांग्लादेशी पीएम बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को पहले भी जिगर, किडनी, मधुमेह, गठिया और आंखों की बीमारियों जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं। इस साल छह मई को जिया लंदन से भारत लौटकर बांग्लादेश आई थीं, जहां उन्होंने चार महीने तक उन्नत चिकित्सा उपचार लिया था। बीएनपी ने शुक्रवार को कहा था कि जिया की स्थिति बहुत गंभीर है और लोगों से उन्हें दुआ में याद रखने का अनुरोध किया था।

# ट्रंप लंबे समय के लिए खत्म कर सकते हैं शरण देने की प्रणाली, अमेरिका में सख्त आव्रजन नीति लाने का भी इशारा

**वॉशिंगटन :** अमेरिका में आव्रजन नीति को और सख्त की तैयारी तेज हो गई। इस बात का संकेत डोनाल्ड ट्रंप ने दिया। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका शरण प्रक्रियाओं को लंबे समय तक रोक सकता है। व्हाइट हाउस के पास अफगान मूल के हमलावर का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि कई लोग देश के लिए खतरा बन रहे हैं।

बीते दिनों अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए हमले के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। इसके तहत अब ट्रंप की प्रशासन ने अमेरिका में आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों को और कड़ा करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि वे शरण देने की प्रक्रिया को लंबे समय के लिए रोकना चाहते हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि कई ऐसे लोग देश में आ रहे हैं जिन्हें अमेरिका में नहीं होना चाहिए। ट्रंप ने हाल ही में व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी करने वाले अफगान नागरिक का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोग देश के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे लोगों को अमेरिका नहीं चाहते। इनमें से कई लोग ऐसे हैं जो अच्छे नहीं है। हमारे पास पहले से ही काफी समस्याएं हैं। व्हाइट हाउस के पास हमला बता दें कि यह कदम उस अफगान प्रवासी की गिरफ्तारी के बाद आया है जिस पर व्हाइट हाउस के पास एक नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या का आरोप है। बुधवार को हुए हमले में स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई, जबकि स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना के बाद ट्रंप प्रशासन ने जांच नियमों और सुरक्षा प्रक्रियाओं को और सख्त करने का फैसला किया है। सोमालिया जैसे देशों पर साधा निशाना ट्रंप ने सोमालिया जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ये ऐसे देश हैं जहां न सरकार है, न सेना, न पुलिस। लोग एक-दूसरे को मारते रहते हैं और फिर हमारे देश आकर बताते हैं कि हमें कैसे चलाना चाहिए। हमें इनकी जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 19 से ज्यादा देशों पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, क्योंकि वे अपराध से भरे हुए हैं। नेशनल गार्ड पर हमले का जिक्र इस दौरान ट्रंप ने व्हाइट हाउस के पास हुए हमले में घायल दो नेशनल गार्ड सैनिकों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एंड्रयू वोल्फ अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि दूसरी सैनिक सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हमले के आरोपी अफगान नागरिक रहमनुल्लाह लाकनवाल पर योजना बनाकर और जानबूझकर की गई हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर भी बोला बड़ा हमला इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने बिना जांच-पड़ताल के लोगों को देश में आने दिया, जिससे आज यह स्थिति बनी। ट्रंप ने यह भी कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने भी कहा कि बाइडन प्रशासन ने देश के खिलाफ आत्म-नुकसान करने जैसा काम किया। गौरतलब है कि लाकनवाल 2021 में ऑपरेशन एलाइज वेलकम के तहत अमेरिका आया था, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के दौरान कई नागरिकों को अमेरिका लाया गया था।

## मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय, एक बेटे का नाम शेखर', पॉडकास्ट में एलन मस्क का खुलासा

**वॉशिंगटन :** मस्क ने कहा कि अमेरिका के तकनीकी और कारोबारी विकास में भारतीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मस्क ने एच1-बी वीजा कार्यक्रम को जारी रखने का भी समर्थन किया। दिग्गज अरबपति और टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस आधी भारतीय हैं। निखिल कामत के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने ये भी बताया कि उनके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है। मस्क ने बताया कि ये नाम अमेरिकी भौतिकशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता सुब्रमण्यन चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है। मस्क ने बताया- उनकी पत्नी को गोद लिया गया था पॉडकास्ट के दौरान एलन मस्क ने कहा कि 'मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं, लेकिन मेरी पार्टनर शिवॉन आधी भारतीय हैं। मेरे और उसके एक बेटे का मध्य नाम शेखर है, जो चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।' मस्क ने बताया कि उनकी पार्टनर शिवॉन जिलिस कनाडा में पली-बढ़ी हैं और जब वे एक छोटी बच्ची थीं, तब उन्हें गोद लिया गया था। शिवॉन जिलिस ने साल 2017 में मस्क की कंपनी न्यूरालिंक जॉइन की थी और वे फिलहाल कंपनी में डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस एंड स्पेशल प्रोजेक्ट्स के तौर पर काम कर रही हैं। शिवॉन ने येल यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र और दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की है। मस्क ने माना- भारतीय प्रतिभाओं से अमेरिका को फायदा हुआ एलन मस्क ने पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान स्वीकार किया कि भारतीय प्रतिभाओं से अमेरिका को फायदा हुआ है।




# चक्रवात दित्वाह: श्रीलंका में अब तक 334 मौतें, 370 लोग लापता; भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत बढ़ाए मदद के हाथ

**कोलंबो :** श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने भारी तबाही मचाई है। अब तक 334 लोगों की मौत और 370 लोग लापता हैं। कई शहर जलमग्न हो गए, पुल बह गए और महत्वपूर्ण इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। स्टारलिंक ने प्रभावित इलाकों में मुफ्त इंटरनेट सेवा शुरू की है। वहीं भारत ने फिर अच्छे पड़ोसी होने का परिचय देते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत राहत सामग्री कोलंबो भेजा है। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने भारी तबाही मचाई है, जिसके चलते वहां के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के अनुसार, अब तक कम से कम 334 लोगों की मौत हो चुकी है और 370 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित जिला कैंडी है, जहां 88 मौतें और 150 लोग लापता हैं। इसके अलावा बादुला में 71, नुवारा एलिया में 68 और मटाले में 23 मौतें दर्ज की गई हैं। डीएमसी के मुताबिक, इस आपदा ने देश भर में 3,09,607 परिवारों के 11,18,929 लोगों को प्रभावित किया है। इतना ही नहीं चक्रवात दित्वाह के कारण नदियों का जलस्तर ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया, जिसके चलते पूरे शहर जलमग्न हो गए, बड़े पुल बह गए और कई महत्वपूर्ण इमारतें और सड़कें टूट गईं। नेपाल ने भी की श्रीलंका की मदद की घोषणा नेपाल ने बाढ़ प्रभावित श्रीलंका की मदद के लिए 2 लाख अमेरिकी डॉलर की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राहत और बचाव कार्यों के लिए दी जाएगी। श्रीलंका में हाल ही में साइक्लोन दित्वाह के कारण भारी बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे के टूटने की वजह से कई जिले कट-ऑफ हो गए हैं और आपदा प्रबंधन की क्षमता पर दबाव बढ़ गया है। स्टारलिंक ने इलाकों में मुफ्त इंटरनेट की घोषणा की इस आपदा के बीच स्टारलिंक ने प्रभावित इलाकों में मुफ्त इंटरनेट कनेक्टिविटी देने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह सेवा दिसंबर 2025 तक सभी नए और मौजूदा ग्राहकों के लिए मुफ्त रहेगी। भारत का 'ऑपरेशन सागर बंधु' इतना ही नहीं इस त्रासदी को देखते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया और श्रीलंका की मदद के लिए एचएडीआर (मैनिटेरियन, राहत और बचाव) ऑपरेशन में तेजी दिखाई। भारतीय वायु सेना ने कोलंबो भेजे गए विमान के जरिए 21 टन राहत सामग्री, 80 से ज्यादा एनडीआरएफ जवान और आठ टन उपकरण पहुंचाए। पुणे से भी एनडीआरएफ टीम और उपकरण एयरलिफ्ट किए गए।

# हांगकांग त्रासदी : मृतकों का आंकड़ा 146 पहुंचा-हजारों बेघर, अब तक 115 मिलियन वरऊकी मदद; राहत-बचाव कार्य जारी

**हांगकांग :** हांगकांग के ताई पो इलाके में वांग फुक कोर्ट परिसर में लगी भीषण आग में अब तक 146 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 लोग अभी भी लापता हैं। आठ में से सात इमारतें जलकर खाक हो गईं, जिनमें लगभग 4,600 लोग रहते थे। राहत कार्य में 1.2 बिलियन हांगकांग डॉलर जुटाए गए हैं। लोग शोक व्यक्त कर रहे हैं और सुरक्षा की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। हांगकांग में पिछले हफ्ते लगी भीषण आग में कम से कम 146 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। इस बीच लोगों ने बड़ी संख्या में मदद आगे बढ़ाई है। ऐसे में अब तक करीब 900 मिलियन हांगकांग डॉलर (115 मिलियन यूएसडी) दान जमा हो चुका है। लेकिन जैसे-जैसे हादसे की जिम्मेदारी पर सवाल बढ़ रहे हैं, सरकार पर आलोचना रोकने के आरोप लग रहे हैं। आग से जले वांग फुक कोर्ट परिसर के बाहर बड़ी संख्या में लोग फूल, कार्ड और संदेश रखकर शोक व्यक्त कर रहे हैं। इतना ही नहीं स्थानीय निवासी कह रहे हैं यह समय एक-दूसरे की मदद का है। बता दें कि आग बुधवार दोपहर ताई पो इलाके के इस परिसर में लगी और आठ में से सात इमारतें जल गईं। ये इमारतें लगभग 4,600 लोगों का घर थीं। आग पर काबू पाने में लगभग दो दिन लग गए। पुलिस की टीमों ने चार इमारतों की तलाशी में 30 और शव बरामद किए, जिससे मौतों का आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। 100 लोग अब भी लापता हैं और 79 घायल हुए हैं। राहत और मददकार्य मामले में सरकार और दानदाताओं ने मिलकर लगभग 1.2 बिलियन हांगकांग डॉलर की मदद जुटाई है। इस पैसे से लोगों को घर दोबारा बसाने में सहायता दी जाएगी। जरूरतमंदों को लंबे समय तक सहयोग मिलेगा। सरकार ने पीड़ितों को नगद राशि और अस्थाई रहने की व्यवस्था भी दी है। इतना ही नहीं इन पैसों से 683 लोग होटल और हॉस्टल में शिफ्ट किए गए। 1,144 लोग ट्रांजिशनल हाउसिंग में रह रहे हैं और दो आपात आश्रय केंद्र अभी खुले हैं फायर सेफ्टी की अनदेखी? पूरे परिसर की इमारतों पर बांस की स्कैफोल्डिंग और नायलॉन का जाल लगा था, क्योंकि बाहरी मरम्मत का काम चल रहा था। खिड़कियों को भी प्लास्टिक शीट से ढका गया था। ऐसे में अब जांच हो रही है कि क्या इससे आग और तेजी से फैली। मजदूरी विभाग ने बताया कि लोगों ने करीब एक साल से सुरक्षा की शिकायतें कर रखी थीं। जुलाई 2024 से 16 बार निरीक्षण हुए थे और कॉन्ट्रैक्टर को कई बार लिखित चेतावनी दी गई थी, आखिरी निरीक्षण हादसे से सिर्फ एक हफ्ते पहले हुआ था। गिरफ्तारियां और बढ़ता गुस्सा हांगकांग की एंटी-करप्शन एजेंसी ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें निर्माण कंपनी के निदेशक और इंजीनियर शामिल हैं। लेकिन लोग पूछ रहे हैं क्या सरकारी अधिकारी भी जिम्मेदार नहीं? सरकार की आलोचना करने पर भी कार्रवाई हो रही है। एक व्यक्ति, जिसने ऑनलाइन पेटिशन बनाई थी, उसे देशद्रोह के शक में गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही दो और लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार चीन की तरह संभावित विरोध को पहले ही रोक रही है।

## विद्रोह की सुलगती चिंगारी से भीषण संघर्ष के मुहाने पर पहुंचा पाकिस्तान; अस्थिरता और आर्थिक दबाव बढ़ा

**इस्लामाबाद :** पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने नाम उजागर किए बिना कहा कि समस्या यह नहीं है कि इमरान लोकप्रिय हैं। समस्या यह है कि संस्थागत वैधता पहली बार लोकप्रिय वैधता से कमजोर महसूस की जा रही है। यह स्थिति सेना के लिए सामरिक खतरा है, न कि केवल राजनीतिक असुविधा। पाकिस्तान का वर्तमान संकट इमरान खान बनाम सेना की लड़ाई से कहीं बड़ा है। अब सत्ता का दांव सिर्फ राजनीतिक वर्चस्व का नहीं, बल्कि सेना के संस्थागत प्रभुत्व, प्रांतों की क्षेत्रीय पहचान और अर्थव्यवस्था की बुनियादी जीवंतता से जुड़ चुका है। सैन्य रणनीति, जनसमर्थन का भूगोल और आर्थिक दिवालियापन एक दूसरे से टकराते हैं तो देश खतरनाक मायनों में पुनर्गठन के दौर में प्रवेश करता है। पाकिस्तान में भी यही हो रहा है। विद्रोह की सुलगती चिंगारी से वह भीषण संघर्ष के मुहाने पर पहुंच चुका है। पाकिस्तानी सेना की रणनीति का पूरा ढांचा इस बात पर केंद्रित है कि राष्ट्रीय नैरेटिव, विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा पर उसकी पकड़ बनी रहे। इमरान को सिर्फ सियासी चुनौती नहीं, संस्थागत नियंत्रण के लिए खतरा माना जा रहा है।

# अध्ययन: खून के अणुओं से कम होगी उम्र बढ़ने की रफ्तार, जवां दिखेगी त्वचा

**लव गौर :** शोधकताओं के मुताबिक यह भविष्य की स्किन थेरेपी का अप्रत्याशित स्रोत बन सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शरीर खुद ऐसे अणु बनाता है जिनमें प्राकृतिक एंटी-एजिंग क्षमता होती है।

वैज्ञानिकों ने खून में पाई जाने वाली एक कम-पहचानी बैक्टीरिया प्रजाति से बने नए एंटी-एजिंग यौगिक खोजे हैं। यह खोज भविष्य में नई स्किन-रिजुवनेशन थेरेपी यानी त्वचा को फिर से जवां करने के तरीकों की राह दिखा सकती है। इन यौगिकों को इंडोल मेटाबोलाइट्स कहा जाता है। इन यौगिकों लैब में तैयार त्वचा कोशिकाओं में सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और कोलाजेन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि को कम किया। शोधकताओं के मुताबिक यह भविष्य की स्किन थेरेपी का अप्रत्याशित स्रोत बन सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शरीर खुद ऐसे अणु बनाता है जिनमें प्राकृतिक एंटी-एजिंग क्षमता होती है। खून में रहने वाले एक बैक्टीरिया के बनाए गए ये तीन शक्तिशाली अणु मानव त्वचा कोशिकाओं में सूजन और कोशिकाओं के नुकसान को कम करने में सक्षम पाए गए। यह शोध अध्ययन अमेरिकन केमिकल सोसायटी और अमेरिकन सोसायटी ऑफ फार्माकोग्नॉसी के जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स में छपा है। खून में रहने वाले बैक्टीरिया खोल सकते हैं सेहत के राज वैज्ञानिकों को अभी भी यह कम समझ है कि खून में घूमने वाले बैक्टीरिया के उप-उत्पाद (मेटाबोलाइट्स) इंसानी सेहत पर कैसे असर डालते हैं। इनमें से इंडोल यौगिक खास तौर से अहम हैं क्योंकि यह बुढ़ापा रोधी, सूजन रोधी और सूक्ष्मजीव रोधी प्रभाव वाले गुण रखता है। वैज्ञानिकों ने 2015 में ऐसा ही एक खून में रहने वाला बैक्टीरिया खोजा जो ये यौगिक बनाता है और उसका नाम पैराकोकस सैंगुइनिस रखा गया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।